महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

प्रार्थना का न तो कोई शास्त्र से सम्बंध है न ही शब्दों से ये तो निःशब्द हृदय की करुण पुकार है...

वर्ष : 17 अंक : 20 | उज्जैन, मंगलवार 30 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

राजस्थान को मिलेगा यमुना का पानी, अमित शाह की मौजूदगी में हरियाणा के साथ जल समझौता

नई दिल्ली/ जीएनएस। गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में पानी से जुड़ी तीन दशक पुरानी समस्या के समाधान के लिए हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों ने समझौते पर हस्ताक्षर किया। अमित शाह ने इसे प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए ÷संवाद से समाधान÷ का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि इससे राजस्थान के सीकर, चूरू, झुंझुनू के साथ-साथ हरियाणा के भिवानी व फतेहाबाद के इलाकों में पीने के पानी की व्यवस्था हो जाएगी। समझौते के तहत जुलाई से अक्टूबर तक लगभग 580 मिलियन क्यूबिक मीटर (एनसीएम) पानी यमुना नहर से राजस्थान पहुंचाया जाएगा। इसके के लिए तीन भूमिगत पाइप लाइन बिछाई जाएंगे, जिनका व्यास 3.6 मीटर से अधिक होगा। इससे अपर यमुना बेसिन के इस्तेमाल लायक सतही पानी के बंटवारे के लिए 1994 के समझौते के तहत मिले पानी का सही से इस्तेमाल सुनिश्चित हो सकेगा। इससे राजस्थान के सूखे और कम बारिश वाले इलाकों में पीने के पानी की निरंतर आपूर्ति हो सकेगी। समझौते को दोनों राज्यों के लिए जीत का बेहतरीन उदाहरण बताते हुए अमित शाह ने कहा कि इसमें वित्तीय जिम्मेदारी, लागत साझीकरण, जल आवंटन और जल छोड़ने के प्रोटोकाल व रखरखाव का बारीकी से ध्यान रखा गया है। उन्होंने कुछ दिनों में ही दोनों राज्यों को समझौते को राजी करने के लिए केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटील की तारीफ की। अमित शाह के अनुसार, समझौते से हरियाणा और विशेषकर राजस्थान में पीने के पानी समस्या के समाधान में मदद मिलेगी। जो पानी किसी काम नहीं आ रहा था, वह लोगों की प्यास बुझाने और बड़े तालाबों में संचयित होकर भूजल स्तर बढ़ाने का काम करेगा।

हरित विकास, निवेश और रोजगार... इसी दिशा में आगे बढ़ रही हमारी सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केन्द्रीय मंत्री श्री जोशी ने किया नीमच एवं शाजापुर सोलर पार्क का लोकार्पण

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मध्यप्रदेश ने सोमवार को हरित विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी के साथ नीमच में 500 मेगावॉट क्षमता वाले नीमच सोलर पार्क तथा 450 मेगावॉट क्षमता वाले शाजापुर सोलर पार्क का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास तथा नीमच जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय मंत्री श्री जोशी ने 1,553.98 करोड़ रुपये की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों एवं विकास कार्यों का भी भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं से प्रदेश में औद्योगिक निवेश को नई गति मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि 550 मेगावॉट क्षमता वाला आगर सोलर पार्क भी निर्माणाधीन है, जिसकी इकाइयों के लिए 2.44 और 2.45 रुपये प्रति यूनिट की दरें प्राप्त हुई हैं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद मध्यप्रदेश देश के अग्रणी सौर ऊर्जा उत्पादक राज्यों में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा तथा स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नीमच जिले में करीब 160 करोड़ रुपये की लागत से 98 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश का हरित विकास हमारा लक्ष्य है। हरित विकास के जरिए प्रदेश में अधिकाधिक मात्रा में निवेश लाने और इसके जरिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए हम तेजी से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ अब स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा से इस क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन उत्तर-पश्चिमी मध्यप्रदेश के नए औद्योगिक ग्रोथ इंजन के रूप में विकसित हो रहे हैं। नीमच न केवल मध्यप्रदेश का, बल्कि ग्रीन पॉवर सेक्टर का ग्लोबल कैपिटल बन रहा है। उन्होंने बताया कि यहां देश का सबसे बड़ा पंप स्टोरेज बन रहा है। नीमच जिले में कुल 675 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाएं कार्यशील हैं और लगभग 1 हजार 952 से अधिक मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाओं का निर्माण कार्य तेजी से जारी हैं।

नीमच के नए सोलर पार्क से मिलेगी 2.14 पैसे प्रति यूनिट बिजली, यह देश में सबसे सस्ती- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि नीमच में नए सोलर पार्क का शुभारंभ ऐतिहासिक अवसर है। इससे देश में सबसे सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध होगी। नीमच की धरती ने प्रदेश को दो मुख्यमंत्री दिए। नीमच ने अफीम उत्पादन और नेत्रदान अभियान में शीर्ष स्थान हासिल कर अपनी अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को संत कबीर जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सनातन संस्कृति में सूर्य देवता ऊर्जा के स्त्रोत हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित जल गंगा संरक्षण अभियान के अंतर्गत 19 मार्च से 30 जून तक कुंए, बावड़ी, नदी, तालाब और अन्य सभी जल स्त्रोतों के संरक्षण के उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। राज्य सरकार ने 3 महीने में 10 हजार करोड़ की राशि खर्च कर प्रदेशभर में 2 लाख से अधिक जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार किया है। जल गंगा संरक्षण अभियान में नीमच ने देश में 10वां और प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने म.प्र. के बोर्ड परीक्षा परिणामों में टॉप 10 में स्थान बनाने वाले नीमच के विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी की मौजूदगी में आज 2 बड़ी सौर परियोजनाओं का लोकार्पण हुआ है। कुल 2080 करोड़ की लागत से नीमच में 500 मेगावॉट और शाजापुर में 450 करोड़ मेगावॉट के सोलर पार्क की सौगात मिली है। साथ ही नीमच में 1553.98 करोड़ की 38 औद्योगिक इकाइयों और अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी हुआ है। नीमच के नए सोलर पार्क से 2.14 पैसे प्रति यूनिट बिजली मिलेगी, जो देश में सबसे सस्ती दर है। प्रदेश में रोजगार आधारित उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश सबसे तेज गति से रोजगार देने वाला राज्य है। प्रदेश में फूड पार्क, पीएम मित्र पार्क तैयार किए जा रहे हैं। नीमच में 1200 करोड़ से अधिक लागत का सोलर ग्लास तैयार करने वाले प्लांट का भूमि-पूजन हुआ है। नीमच को बहुत जल्द जावरा-उज्जैन होकर भोपाल राजमार्ग की सौगात मिलने वाली है। मंदसौर से भोपाल तक नया हाई-वे भी बनाया जाएगा। नीमच में गांधी सागर अभ्यारण्य चीतों का नया घर बन चुका है। बहुत जल्द यहां दो और चीते मुक्त प्राकृतिक आवास में छोड़े जाएंगे।

हम सबका है एक ही नारा, नशा मुक्त हो देश हमारा

अमलतास विशेष विद्यालय

अमलतास एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित

मानसिक रूप से दिव्यांग और शारीरिक रूप से दिव्यांग बच्चो हेतु बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध है।

हमारे द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं :-

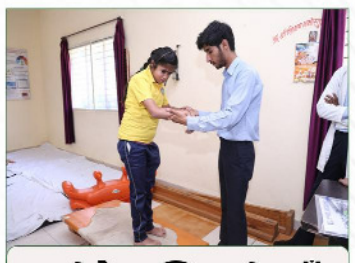
मनोवैज्ञानिक सेवाएँ

ऑक्युपेशनल थेरेपी

स्पीच थेरेपी

वोकेशनल ट्रेनिंग

विशेष शिक्षा प्रोग्राम

विशेष शिक्षा प्रोग्राम (Special Education Program)

• स्पीच थेरेपी • व्यवहारिक समस्याएं • रेमेडिकल एजुकेशन

विकासात्मक समस्याएँ जैसे :-

- मस्तिष्क पक्षाघात
- विकास में देरी
- मानसिक मंदता
- एडीएचडी
- अतिचंचल
- डाउन सिंड्रोम
- व्यवहार संबंधी समस्या

अमलतास नशा मुक्ति केन्द्र

अमलतास अस्पताल देवास

(शासकीय मान्यता प्राप्त)

नशा छुड़ाने का एकमात्र केन्द्र

? क्या आपके परिवार में कोई नशे का आदी हैं, और बार - बार मना करने पर नशा नहीं छोड़ रहा हैं, तो मत होइए परेशान।

शराब, स्मोक, अफिम, डोडाचुरा, हेरोईन, कोकीन, चरस, गांजा, भांग, कोरेक्स, व्हाईटनर, सोल्यूशन व मेडिसन तथा किसी भी प्रकार के नशे का ईलाज दवाइयां, योगा, ध्यान व काउंसलिंग प्रोग्रोम द्वारा शत-प्रतिशत निःशुल्क ईलाज

केन्द्र पर दी जाने वाली सुविधाएँ

- नशे के मरीज को भर्ती करने की सुविधा।
- आध्यात्म, योगा, ध्यान, व्यायाम, अनुशासन व सामुहिक चिकित्सा पध्दति।
- मरिज को रहने, खाने (पोष्टिक आहार) व वातानुकुलित हॉस्पिटल सुविधा।
- इनडोर / गेम्स, केरम, लूडो, शतरंज आदि।
- रोगी को घर से लाने की 24 घंटे सुविधा व 24 घंटे हेल्पलाईन की सुविधा।
- आयुष्मान के तहत निःशुल्क ईलाज।

नियमित योगा क्लास

मरीज का उपचार

मरीज को परामर्श

24x7 HELPLINE No.- 1800-57-12120

अमलतास अस्पताल, ग्राम बांगर, देवास उज्जैन हाईवे, देवास (म.प्र.) 455001

इंदौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार; ब्राउन शुगर, गांजा और 19 लाख रुपये जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत द्वारकापुरी थाना पुलिस ने एक शातिर ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बड़ी मात्रा में ब्राउन शुगर, गांजा, नगदी और अन्य सामग्री जब्त की है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस उसके नेटवर्क की जांच में जुट गई है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी चेतन नाथ (36) निवासी नाथ मोहल्ला, द्वारकापुरी के कब्जे से 270 ग्राम ब्राउन शुगर, 8 किलो गांजा, पिस्टल के 22 जिंदा राउंड, 19 लाख रुपये नकद, नोट गिनने की मशीन तथा ब्राउन शुगर की पुड़िया तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की गई है।

पुलिस ने बताया कि 22 जून को 16 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किए गए आरोपी लकी नाथ से पूछताछ के दौरान चेतन नाथ का नाम सामने आया था। इसके बाद बैक ट्रैकिंग करते हुए पुलिस ने चेतन नाथ को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने ब्राउन शुगर राजस्थान के प्रतापगढ़ से लाना स्वीकार किया है। पुलिस इस सप्लाई चेन और उससे जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी अपनी बहन सीमा नाथ के साथ मिलकर लंबे समय से ब्राउन शुगर और गांजे की तस्करी कर रहा था। कुछ समय पहले अपहरण के एक मामले में जेल से छूटने के बाद उसने दोबारा नशे का कारोबार शुरू कर दिया था और अपने साथियों के माध्यम से ड्रग्स की सप्लाई करवा रहा था।

पुलिस के अनुसार चेतन नाथ आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ हत्या, लूट, आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में इंदौर के अलग-अलग थानों में 17 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह राजेंद्र नगर थाना तथा धार जिले के नौगांव थाना क्षेत्र के मामलों में भी फरार चल रहा था।

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त सुनील मेहता तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में द्वारकापुरी थाना पुलिस टीम ने की।

इंदौर नगर निगम में सोनीला मिमरोट ने नेता प्रतिपक्ष का कार्यभार संभाला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम में कांग्रेस की नवनियुक्त नेता प्रतिपक्ष सोनीला मिमरोट ने सोमवार को अपने पद का कार्यभार ग्रहण किया। प्रदेश कांग्रेस द्वारा उन्हें नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किए जाने के बाद निगम मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने औपचारिक रूप से जिम्मेदारी संभाली। कार्यभार ग्रहण समारोह में शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया, वरिष्ठ नेता राजेश चौकसे, शैलेश गर्ग सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर कांग्रेस के अधिकांश पार्षद भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत निगम परिसर में आयोजित सभा से हुई, जिसमें कांग्रेस नेताओं ने नई नेता प्रतिपक्ष को बधाई देते हुए नगर निगम में जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने की अपेक्षा व्यक्त की। इसके बाद सोनीला मिमरोट ने औपचारिक रूप से नेता प्रतिपक्ष का कार्यभार ग्रहण किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तलावली चांदा तालाब से हटाया गया अतिक्रमण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहर के तालाबों और जल स्रोतों के संरक्षण के लिए नगर निगम द्वारा अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार तालाबों के कैचमेंट एरिया और जल निकासी चैनलों से अवैध कब्जे हटाए जा रहे हैं, ताकि वर्षा जल के प्राकृतिक प्रवाह और संग्रहण में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। इसी क्रम में अपर आयुक्त प्रखर सिंह के निर्देशन में जोन क्रमांक 22 के वार्ड क्रमांक 35 स्थित तलावली चांदा तालाब क्षेत्र में रिमूवल अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान तालाब की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित 14 पक्की दुकानों को हटाया गया। इसके अलावा लगभग 100 मीटर लंबी और 4 मीटर चौड़ी अवैध पक्की दीवार को भी ध्वस्त किया गया। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शहर के तालाबों, जल स्रोतों और शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे सभी अवैध कब्जों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी, जिससे जल स्रोतों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। कार्रवाई के दौरान भवन अधिकारी वैभव देवलासे, भवन निरीक्षक सचिन गैहलोत तथा नगर निगम की रिमूवल टीम मौजूद रही।

महापौर ने यातायात और विकास कार्यों की समीक्षा की, एमआर-4 रोड का नाम होगा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सोमवार को महापौर सभाकक्ष में यातायात विभाग की समीक्षा बैठक लेकर शहर में चल रहे यातायात सुधार, प्रतिमा स्थापना, चौराहों के विकास, पार्किंग व्यवस्था एवं विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री पी.एस. कुशवाह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में महापौर ने सिरपुर तालाब क्षेत्र में स्थापित की जा रही स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा एवं परिसर विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी 11 सितंबर तक प्रतिमा का लोकार्पण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही 30 जून को अधिकारियों के साथ प्रतिमा स्थल का निरीक्षण कर शेष कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने के निर्देश भी दिए।

महापौर ने अन्नपूर्णा रोड से सुदामा नगर के बीच निर्माणाधीन मार्ग पर भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापना की तैयारियों की जानकारी लेते हुए 16 अगस्त को मार्ग का 'अटल पथ' नामकरण और प्रतिमा स्थल के भूमिपूजन का आयोजन सुनिश्चित करने को कहा। वहीं राजकुमार ब्रिज से बाणगंगा ब्रिज तक निर्मित एमआर-04 रोड का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर किए जाने संबंधी प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई।

छोटी ग्वालटोली स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा एवं उद्यान के विकास कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए महापौर ने संबंधित एजेंसी को गुणवत्ता के साथ तय समय में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यादेश मिलने के बाद भी समय पर काम शुरू नहीं करने या निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा नहीं करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाए। बैठक में शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात सुधार और लेफ्ट टर्न विकसित करने के कार्यों की भी समीक्षा की गई। महापौर ने खालसा चौक, इंडस्ट्री हाउस, हाईकोर्ट, कनाड़िया रोड, वर्ल्ड कप, सत्यसांई और इंद्रप्रस्थ चौराहे सहित अन्य स्थानों पर यातायात बाधाएं दूर करने और आवश्यक विकास कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। इसके अलावा तीन इमली, हरसिद्धि, रसोमा, चंद्रगुप्त मौर्य, न्याय नगर और मृगनयनी चौराहों के सौंदर्यीकरण को भी समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

रानी दुर्गावती का जीवन हर नारी के लिए प्रेरणा : मंत्री निर्मला भूरिया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ट्राइबल स्टडीज एवं भीमा नायक वनांचल सेवा संस्थान, झाबुआ के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं मातृशक्ति सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 1200 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता कर रानी दुर्गावती के शौर्य, त्याग, स्वाभिमान और नारी नेतृत्व को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि रानी दुर्गावती का जीवन प्रत्येक नारी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि आज की महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, खेल, राजनीति और राष्ट्र निर्माण सहित हर क्षेत्र में नेतृत्व करने में सक्षम हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार महिला एवं बालिका सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाओं का प्रभावी संचालन कर रही है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि अधिकाधिक महिलाओं और परिवारों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस तरह के आयोजन रविवार को आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने भील कॉलोनी (मूसाखेड़ी) की बेटियों के उत्कृष्ट फुटबॉल प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप एक लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की उपकुलसचिव सुश्री रचना ठाकुर ने की। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती भारतीय नारी शक्ति, स्वाभिमान और नेतृत्व की जीवंत प्रतीक हैं तथा बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आत्मरक्षा और नेतृत्व के अवसर उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है।

मुख्य वक्ता डॉ. उमा कुमरे (परते) ने रानी दुर्गावती के जीवन को साहस, आत्मसम्मान और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण बताते हुए बेटियों को शिक्षा, संस्कार, आत्मविश्वास और आत्मरक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती सोनम निनामा ने कहा कि रानी दुर्गावती के आदर्शों पर चलकर ही महिला नेतृत्व और सामाजिक समरसता को मजबूत किया जा सकता है।

कार्यक्रम में समाज सेवा एवं जनजातीय कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्रीमती मंजीत सिद्धु गर्ग तथा श्रीमती जूही विकास भाबोर का सम्मान किया गया। इस अवसर पर गोंड, भील एवं अन्य जनजातीय समुदायों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

संयोजक सुश्री प्रतिभा बघेल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को गौरवशाली इतिहास, जनजातीय विरासत और राष्ट्रनायकों के आदर्शों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। कार्यक्रम की प्रस्तावना श्रीमती अनिता ठाकुर ने रखी तथा संचालन सुश्री प्रियंका तोमर ने किया।

भू-अभिलेखों के डिजिटाइजेशन से राजस्व सेवाएँ होंगी अधिक प्रभावी, भूमि रिकॉर्ड प्राप्त करना होगा आसान

डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम का जबलपुर एवं नर्मदापुरम संभाग में प्रथम चरण पूर्ण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के नागरिकों को भूमि संबंधी सरकारी अभिलेखों की सहज, त्वरित और पारदर्शी उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ पुराने भू-अभिलेखों के सुरक्षित संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत प्रदेश में चरणबद्ध रूप से डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के माध्यम से राज्य के लगभग 15 करोड़ पुराने भू-अभिलेख रिकॉर्ड का आधुनिकीकरण किया जाएगा, जिसके लिए दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली और डीबीईएस सॉफ्टवेयर विकसित किए जा रहे हैं।

वर्ष 2008 में शुरू हुए राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम को 1 अप्रैल 2016 से डीआईएलआरएमपी के रूप में पुनर्गठित किया गया था।

इसके तहत मॉडर्न रिकॉर्ड रूम (एमआरआर) के अंतर्गत पुराने अभिलेखों के डिजिटाइजेशन की रूपरेखा तैयार की गई। योजना के फेज-1 (2013-2020) में लगभग 3,18,82,222 दस्तावेजों और फेज-2 (2021-22) में लगभग 2,39,24,462 दस्तावेजों की स्कैनिंग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। अब फेज-3 के तहत 15 करोड़ रिकॉर्ड्स के डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है।

परियोजना में जिला स्तर पर अत्याधुनिक स्कैनिंग केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। दस्तावेजों की सुरक्षित स्कैनिंग, मेटा-डाटा एंट्री और भोपाल में डीबीईएस आधारित डबल-बाइंड डेटा एंट्री की व्यवस्था की गई है। आंकड़ों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित क्षेत्र के पटवारी द्वारा ऑनलाइन गुणवत्ता परीक्षण किया जाएगा। अंतिम रूप से सत्यापित रिकॉर्ड 'भूलेख पोर्टल' पर ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएंगे।

योजना के प्रथम चरण में जबलपुर एवं नर्मदापुरम संभाग के 12 जिलों में लगभग 2.70 करोड़ दस्तावेजों की शत-प्रतिशत स्कैनिंग पूरी कर ली गई है। इन जिलों में डेटा एंट्री का कार्य निरंतर जारी है। दूसरे चरण में भोपाल एवं सागर संभाग के 11 जिलों में जुलाई 2026 से कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इसके लिए संबंधित जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। भू-अभिलेखों के डिजिटाइजेशन से राजस्व व्यवस्था अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी।

नामांतरण घोटाले के विरोध में निगम मुख्यालय पर कांग्रेस का प्रदर्शन, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम में सामने आए कथित नामांतरण घोटाले को लेकर शहर कांग्रेस ने सोमवार को निगम मुख्यालय स्थित आयुक्त कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने घोटाले के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई और लाभान्वित लोगों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे एवं नेता प्रतिपक्ष सोनीला मिमरोट के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पार्षदों ने निगम मुख्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने अपर आयुक्त आकाश सिंह को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कांग्रेस ने आरोप लगाया कि नामांतरण घोटाले के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाए। कांग्रेस ने अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव, उपायुक्त के.एस. सगर, प्रदीप जैन तथा सहायक राजस्व अधिकारी अजीम खान और मयूर पाटिल पर कार्रवाई की मांग की।

कांग्रेस ने यह भी मांग की कि जिन लोगों के नाम पर कथित रूप से दूसरे व्यक्तियों की संपत्तियों का नामांतरण किया गया, उनके खिलाफ भी पुलिस में आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया जाए। पार्टी नेताओं ने चेतावनी दी कि मामले में बार-बार जांच समितियां बनाकर कार्रवाई को लंबित रखने या प्रकरण को ठंडे बस्ते में डालने का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए।

प्रदर्शन में राजेश चौकसे, शैलेश गर्ग, संजय बाकलीवाल सहित कांग्रेस के सभी पार्षद और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का भव्य स्वागत, अधिवक्ताओं ने दी शुभकामनाएं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला बार एसोसिएशन इंदौर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का सोमवार को एल.के. नरवरे एसोसिएट्स कार्यालय पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पुष्पहार, मोतियों की मालाएं और साफा पहनाकर सभी का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने उपस्थित होकर नव-निर्वाचित टीम को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

हाल ही में संपन्न हुए जिला बार एसोसिएशन चुनाव में एडवोकेट राकेश पाल अध्यक्ष, एडवोकेट जितेंद्र नीम (काका) उपाध्यक्ष, एडवोकेट धर्मेंद्र गुर्जर सचिव, एडवोकेट निमेष सोलंकी सहसचिव तथा एडवोकेट पल्लविका अध्यारु कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सुधीर व्यास (हैप्पी), आयुष भोरहरी, नितिन पाराशर, खेहील वर्मा, सुमनलता मुकाती और श्यामा वर्मा का निर्वाचन हुआ।

स्वागत समारोह में पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट कमल गुप्ता, एडवोकेट ललित नरवरे, एडवोकेट जयंत दुबे, एडवोकेट रंजन शर्मा, एडवोकेट गजानंद सुनहरे सहित अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे। सभी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पुष्पमालाएं पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनका अभिनंदन किया तथा सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

आईसीजेएस क्रियान्वयन में इंदौर पुलिस की फिंगर प्रिंट इकाई को प्रदेश में तीसरा स्थान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंटर ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) के प्रभावी क्रियान्वयन और डिजिटल समन्वय में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इंदौर पुलिस की फिंगर प्रिंट इकाई को प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि पर भोपाल में आयोजित कार्यशाला में इकाई को सम्मानित किया गया।

भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित आईसीजेएस इम्प्लीमेंटेशन एंड डिजिटल इंटीग्रेशन वर्कशॉप में प्रदेश के सभी जिलों के पिछले एक वर्ष के कार्यों का मूल्यांकन किया गया। यह मूल्यांकन थानों और न्यायालयों द्वारा तैयार की गई फिंगर प्रिंट स्लिप, घटनास्थल निरीक्षण, एमसीयू एंट्री तथा एनएएफआईएस के माध्यम से ट्रेस किए गए मामलों सहित पांच प्रमुख मानकों के आधार पर किया गया।

इन सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला फिंगर प्रिंट इकाई, इंदौर ने पूरे प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि पर कार्यशाला के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति संजीव कालगांवकर ने इंदौर पुलिस को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। इंदौर पुलिस की ओर से अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) सीमा अलावा एवं फिंगर प्रिंट टीम ने सम्मान प्राप्त किया।

इस उपलब्धि पर पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने फिंगर प्रिंट इकाई के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके समर्पण, मेहनत और उत्कृष्ट कार्यशैली की सराहना की। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर इंदौर पुलिस को नई उपलब्धियां दिलाने के लिए टीम का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) आर.के. सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सीमा अलावा ने भी पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं।

कर्मचारियों के लिए श्रम विभाग द्वारा नई न्यूनतम वेतन दरें जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश श्रम विभाग ने राज्य के अनुसूचित नियोजनों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए संशोधित न्यूनतम वेतन दरें लागू की हैं। उप श्रमायुक्त ने बताया कि नई वेतन दरें 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगी। सभी नियोजकों, उद्योगों, प्रतिष्ठानों एवं ठेकेदारों को कर्मचारियों को निर्धारित न्यूनतम वेतन तथा समय-सीमा के भीतर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार सामान्य श्रेणी के कर्मचारियों के लिए मासिक न्यूनतम वेतन निर्धारित किया गया है, जिसमें अकुशल के लिये 12,425, अर्द्धकुशल के लिये 13,421, कुशल के लिये 15,144 और उच्च कुशल के लिये 16,769 वेतन निर्धारित किया गया है।

श्रम विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित न्यूनतम वेतन से कम भुगतान करना कानून का उल्लंघन है। साथ ही Payment of Wages Act, 1936 के अनुसार 1,000 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में वेतन अवधि समाप्त होने के सातवें दिन तक तथा 1,000 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में दसवें दिन तक वेतन का भुगतान किया जाना अनिवार्य है।

यदि किसी कर्मचारी, जिसमें आउटसोर्स कर्मचारी भी शामिल हैं, को निर्धारित न्यूनतम वेतन से कम भुगतान किया जाता है या समय पर वेतन नहीं मिलता है, तो वह श्रम विभाग की श्रमिक हेल्पलाइन 1800-233-8888 पर शिकायत दर्ज करा सकता है। विभाग ने आश्वस्त किया है कि शिकायतों की नियमानुसार जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने मेघदूत उपवन, ग्रीन बेल्ट और निपानिया मास्टर प्लान सड़क का किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सोमवार सुबह वर्षाकालीन तैयारियों, पर्यावरण संरक्षण और विकास कार्यों का जायजा लेते हुए मेघदूत उपवन, नरवल क्षेत्र की ग्रीन बेल्ट तथा एडवांस एकेडमी से निपानिया तक निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, श्रृंगार श्रीवास्तव सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

आयुक्त ने सबसे पहले मेघदूत उपवन का निरीक्षण कर वर्षाकाल में किए जाने वाले पौधारोपण की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने ब्रिक्स वाटिका का अवलोकन करते हुए पौधारोपण के लिए चिन्हित स्थानों पर समयबद्ध तरीके से गड्ढे तैयार करने तथा पौधों के संरक्षण के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उपचारित (ट्रीटेड) जल के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए जल संरक्षण को प्राथमिकता देने की बात कही।

निरीक्षण के दौरान मेघदूत उपवन के सार्वजनिक शौचालय में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं मिलने पर आयुक्त ने संबंधित दरोगा को फटकार लगाई और नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्यानों में आने वाले नागरिकों को स्वच्छ और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

चातुर्मास का मुख्य उद्देश्य तप, ध्यान, साधना व्रत उपवास व सूक्ष्म से सूक्ष्म जीवों की रक्षा करना होता है

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन समाज का विशुद्ध नगर झांतला में विराजित जैन मुनि श्री 108 वैराग्य सागर जी महाराज व मुनिश्री 108 सुप्रभ सागर जी महाराज ने रविवार को ग्राम झांतला स्थित

विशुद्ध संत शाला में सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा आयोजित चातुर्मास वर्षा योग की घोषणा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलित के साथ की गई। जिसका सौभाग्य बेंगु समाज को दिया गया। बालिकाओं द्वारा मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई शास्त्र,दान शाहपुरा समाज द्वारा किया गया पाद पक्षालन देवली समाज द्वारा किया गया। वर्षा योग का परम सौभाग्य देवली राजस्थान को मिला जिसकी घोषणा विशुद्ध नगरी झांतला से की गई। इस अवसर पर मुनि श्री 108 वैराग्य सागर जी महाराज ने कहा कि चातुर्मास का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म से सूक्ष्म जीवों की रक्षा तप साधना, भक्ति, संयम के मार्ग पर चलकर धर्म की गंगा प्रवाहित करना होता है। मुनि श्री ने आगे कहा कि धर्म के दो पांव होते हैं। श्रावक के बिना मुनि धर्म का पालन नहीं होता है। और मुनियों के बिना श्रावकों का उद्धार नहीं हो सकता है। हमें अपने जीवन में ज्यादा तत्वों का ज्ञान नहीं है। तो कोई बात नहीं है। लेकिन मुनि व गुरुओं से थोड़ा सा भी ज्ञान प्राप्त कर लिया जाता है। तो उसका उद्धार हो जाता है। हमें गुरुओं द्वारा जो नियम व धर्म सिखाया जाता है। उसका पालन करने से मोक्ष प्राप्त होता है। गुरु जिसको अपनाते हैं। व भवसागर पार हो जाता है। गुरुओं का संबंध धर्म व राष्ट्र से होता है। मुनि श्री ने आगे कहा कि जैन धर्म मुनि व गुरु सच्चे सनातनी है। जो आज भी भगवान रामचंद्र जी की मर्यादा का पालन कर रहे हैं। भगवान रामचंद्र जी ने 14 वर्ष तक वन में पैदल ही विहार किया करते थे। उसी का पालन जैन मुनि कर रहे हैं। इसलिए सच्चे सनातनी जैन संत व मुनि होते हैं। जब तक जैन संत व मुनि है। तब तक धर्म का अंत नहीं हो सकता है। जब तक सूरज चांद रहेगा तब तक जैन धर्म इस विश्व में रहेगा।

इस अवसर पर मुनिश्री 108 सुप्रभ सागर जी महाराज ने कहा कि जहां-जहां साधु संतों मुनियों गुरुओं के चरण पढ़ते हैं। व क्षेत्र व धरती हरी भरी हो जाती है। वहां सुख समृद्धि व शांति बनी रहती है। धर्म का संबंध उद्देश्य आत्मा के कल्याण के लिए होता है। गुरु भक्ति भगवान की पूजा प्रार्थना से मानव आत्मा का कल्याण होता है। जैन मुनियों की ना कोई ड्रेस होती है। ना कोई एड्रेस होता है।

चातुर्मास के तीन मुख्य उद्देश्य होते हैं जीव दया व अहिंसा तप साधना आहार संयम खानपान पर नियंत्रण रखकर शरीर को निरोगी व मन को शांत करना है।

पूर्वाचार्यों को अर्घ्य भी चढ़ाए गए जिनको सुंदर तरीके से सजाकर लाया गया जिसमें विशेष सहयोग पाठशाला परिवार की दीदियों का रहा जिसमें प्रमुख रूप से श्रीमती कमलेश हरसौरा गुणमाला राजुल मैना मोहिवाल एवं पाठशाला की बहनों एवं बच्चों का रहा।

अतिथियों का स्वागत सकल,दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष मानक जैन सूरजमल जैन, विमल जैन पंकज जैन अनिल दुगेरिया, मनीष जैन, नीरज जैन, ऋषभ मोहिवाल, अशोक दुगेरिया, महावीर जैन, सुनील जैन, सुरेश जैन, ललित जैन अंकुश जैन तनुज जैन ऋषभ हरसौरा विशाल जैन अंकित जैन लोकेश जैन द्वारा किया गया। प्रस्तावना उद्बोधन ग्राम झांतला के भाजपा मंडल महामंत्री पारस जैन द्वारा दिया गया

आभार अभिव्यक्ति युवा परिषद अध्यक्ष पारस (सिंटू) मोहिवाल द्वारा की गई।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव का नीमच आगमन पर आत्मीय स्वागत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का सोमवार को नीमच हेलीपेड पर आगमन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के साथ केंद्रीय नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रहलाद जोशी, प्रदेश के नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला भी हेलीकाप्टर से नीमच पहुंचे। नीमच आगमन पर आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव के नीमच हेलीपेड पहुचने पर महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्य सभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, जावद विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, विधायक नीमच श्री दिलीपसिह परिहार एवं मनासा विधायक श्री अनिरूद्ध मारू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिह चौहान न.पा.सभापति श्रीमती वंदना खण्डेलवाल, न.पा. के पूर्व उपाध्यक्ष श्री महेन्द्र भटनागर, श्री संतोष चौपड़ा, श्री सुरेन्द्र सेठी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेटकर, मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जी का आत्मीय स्वागत किया। एडीजीपी उज्जैन श्री राकेश गुप्ता, सम्भागायुक्त श्री आशीष सिह, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, एवं पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास ने प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री डॉ.यादव का नीमच हेलीपेड पर हेलीकाप्टर से उतरते ही आगवानी कर, उन्हें पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस मौके पर जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी, कर्मचारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने हेलीपेड पर एक-एक कर कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों से भेंट कर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

वर्षाकाल के दृष्टिगत जर्जर मकानों को ध्वस्त करें, प्राकृतिक आपदा के दौरान आर्थिक सहायता की कार्रवाई तत्परता से करें - कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय कर्मचारियों की सभी विभागीय सेवानिवृत्ति संबंधी कार्यवाही समय-सीमा में पूरी करते हुए उनके समस्त स्वत्वों एवं देयकों का भुगतान पूरी तत्परता से सुनिश्चित किया जाए। सेवानिवृत्ति से संबंधित किसी भी कार्रवाई में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि सेवानिवृत्ति की प्रक्रिया में मानवीय दृष्टिकोण अपनाएं। ये कर्मचारी वर्षों तक शासन की सेवा करते हैं, इसलिए उनके सम्मान और अधिकारों का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी स्मरण कराया कि प्रत्येक शासकीय सेवक को एक दिन सेवा से सेवानिवृत्त होना है, इसलिए इस कार्य को संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ प्राथमिकता देते हुए समय पर पूरा करें।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने टीएल बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारियों तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों के बैंक खातों का सत्यापन बैंक पासबुक के आधार पर स्वयं करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के भुगतान अथवा राशि अंतरण से पहले बैंक खाते की जानकारी का भौतिक सत्यापन किया जाए। बैंक पासबुक से सत्यापन करने पर किसी भी प्रकार की त्रुटि या गड़बड़ी की संभावना नहीं रहेगी तथा संबंधित राशि सीधे वास्तविक हितग्राही के बैंक खाते में ही अंतरित होगी। बैठक मे जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, संयुक्त कलेक्टर श्री रविंद्र परमार, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, श्रीमती स्वाति मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने वर्षाकालीन आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए चिन्हित सभी जर्जर मकानों को तत्काल गिराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनहानि रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए जोखिम वाले भवनों के संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बाढ़, अतिवृष्टि, प्राकृतिक आपदाओं एवं अन्य दुर्घटनाओं से प्रभावित व्यक्तियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की कार्रवाई भी पूरी तत्परता से की जाए। उन्होंने कहा कि राहत प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पीड़ित व्यक्ति या उनके परिजनों तक समय पर सहायता राशि पहुंचाई जाए, ताकि संकट की घड़ी में उन्हें तत्काल राहत मिल सके।

नीमच का हेड कांस्टेबल करोड़ों की ठगी के आरोपों में घिरा, जोधपुर निवासी महिला के साथ 2.45 करोड़ की कथित साजिश का मामला दर्ज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश और राजस्थान से जुड़ा करोड़ों रुपये की कथित ठगी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जोधपुर पुलिस ने चित्तौड़गढ़ के एक मिष्ठान व्यवसायी की शिकायत पर नीमच जिले के मनासा थाने में पदस्थ हेड कांस्टेबल राघवेंद्र सिंह तथा जोधपुर की कथित हिस्ट्रीशीटर सुनिता बिश्नोई उर्फ सुमता डॉन सहित अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की शिकायत नीमच पुलिस अधीक्षक को भी सौंपी है।

शिकायत के अनुसार आरोप है कि हेड कांस्टेबल राघवेंद्र सिंह ने अपने राजनीतिक और प्रशासनिक प्रभाव का हवाला देते हुए चित्तौड़गढ़ जिले के निंबाहेड़ा निवासी मिष्ठान व्यवसायी पर्वत सिंह राजपुरोहित को झांसे में लिया और उसकी मुलाकात सुनिता बिश्नोई से कराई। आरोप है कि सुनिता ने स्वयं को प्रभावशाली बताते हुए चित्तौड़गढ़ में मनचाहे पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति, सांवरिया सेठ मंदिर में अध्यक्ष की नियुक्ति और मंदिर में लड्डू प्रसादी का ठेका दिलाने का भरोसा दिलाया।

शिकायत में दावा किया गया है कि इन कार्यों के नाम पर मार्च और अप्रैल 2025 के दौरान कथित रूप से 1.05 करोड़ रुपये नकद लिए गए। इसके बाद 65 किलो अफीम तस्करी के एक मामले में आरोपी की हाईकोर्ट से जमानत कराने का भरोसा देकर 1.40 करोड़ रुपये और लिए गए। इस प्रकार कुल 2.45 करोड़ रुपये की कथित ठगी का आरोप लगाया गया है।

एफआईआर के अनुसार शिकायतकर्ता का आरोप है कि जोधपुर में एक लग्जरी कार के भीतर कथित रूप से हाईकोर्ट के जज और अन्य प्रभावशाली लोगों से मोबाइल पर बातचीत का नाटक कर भरोसा दिलाया गया। बाद में न तो कथित वादे पूरे हुए और न ही ली गई राशि वापस की गई।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने लगभग 30 लाख रुपये लौटाए, जबकि शेष राशि के बदले जोधपुर स्थित एक प्लॉट दिया गया, जो पहले से विवादित निकला। पैसे वापस मांगने पर शिकायतकर्ता को व्हाट्सएप के माध्यम से कथित रूप से जान से मारने की धमकी भी दी गई।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को व्हाट्सएप चैट, कॉल रिकॉर्डिंग, ऑडियो क्लिप तथा अन्य दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध कराने का दावा किया है। मामले की जांच जोधपुर पश्चिम के बोरानाड़ा थाना पुलिस कर रही है।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 316(2), 318(4), 308(2) और 61(2)(बी) के तहत मामला दर्ज किया है।

सहकारी ध्वज फहराकर हुआ सहकारी सप्ताह का शुभारंभ

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूरे प्रदेश में 29 जून से 5 जुलाई तक सहकारी सप्ताह के अंतर्गत आयोजन होंगे। इसका मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर सहकारिता की भावना को सुदृढ़ करना तथा शासन की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचना है। सप्ताह के शुभारंभ समारोह का आयोजन कलेक्ट्रोरेट परिसर में सहकारिता विभाग, जिला सहकारी संघ एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक द्वारा किया गया। सप्ताह का शुभारंभ जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री वैशाली जैन द्वारा सहकारी ध्वज फहराकर किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य निरंजन कुमार कसारा द्वारा लहर लहर लहरा सतरंगा सहकारी गीत का गायन किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री वैशाली जैन ने सभी को सहकारिता की शपथ दिलवाई। इसके पश्चात सहकारिता की योजनाओं को प्रदर्शित करते सहकारी रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा कलेक्टोरेट परिसर में ही वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथि का स्वागत उपायुक्त सहकारिता एन.एस. भाटी, जिला सहकारी संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिरुद्ध शर्मा, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कृतज्ञ गुप्ता, उपयंत्री शैलेष खरे ने किया।

नीमच का हेड कांस्टेबल करोड़ों की ठगी के आरोपों में घिरा, जोधपुर निवासी महिला के साथ 2.45 करोड़ की कथित साजिश का मामला दर्ज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश और राजस्थान से जुड़ा करोड़ों रुपये की कथित ठगी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जोधपुर पुलिस ने चित्तौड़गढ़ के एक मिष्ठान व्यवसायी की शिकायत पर नीमच जिले के मनासा थाने में पदस्थ हेड कांस्टेबल राघवेंद्र सिंह तथा जोधपुर की कथित हिस्ट्रीशीटर सुनिता बिश्नोई उर्फ सुमता डॉन सहित अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की शिकायत नीमच पुलिस अधीक्षक को भी सौंपी है।

शिकायत के अनुसार आरोप है कि हेड कांस्टेबल राघवेंद्र सिंह ने अपने राजनीतिक और प्रशासनिक प्रभाव का हवाला देते हुए चित्तौड़गढ़ जिले के निंबाहेड़ा निवासी मिष्ठान व्यवसायी पर्वत सिंह राजपुरोहित को झांसे में लिया और उसकी मुलाकात सुनिता बिश्नोई से कराई। आरोप है कि सुनिता ने स्वयं को प्रभावशाली बताते हुए चित्तौड़गढ़ में मनचाहे पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति, सांवरिया सेठ मंदिर में अध्यक्ष की नियुक्ति और मंदिर में लड्डू प्रसादी का ठेका दिलाने का भरोसा दिलाया।

शिकायत में दावा किया गया है कि इन कार्यों के नाम पर मार्च और अप्रैल 2025 के दौरान कथित रूप से 1.05 करोड़ रुपये नकद लिए गए। इसके बाद 65 किलो अफीम तस्करी के एक मामले में आरोपी की हाईकोर्ट से जमानत कराने का भरोसा देकर 1.40 करोड़ रुपये और लिए गए। इस प्रकार कुल 2.45 करोड़ रुपये की कथित ठगी का आरोप लगाया गया है।

एफआईआर के अनुसार शिकायतकर्ता का आरोप है कि जोधपुर में एक लग्जरी कार के भीतर कथित रूप से हाईकोर्ट के जज और अन्य प्रभावशाली लोगों से मोबाइल पर बातचीत का नाटक कर भरोसा दिलाया गया। बाद में न तो कथित वादे पूरे हुए और न ही ली गई राशि वापस की गई।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने लगभग 30 लाख रुपये लौटाए, जबकि शेष राशि के बदले जोधपुर स्थित एक प्लॉट दिया गया, जो पहले से विवादित निकला। पैसे वापस मांगने पर शिकायतकर्ता को व्हाट्सएप के माध्यम से कथित रूप से जान से मारने की धमकी भी दी गई।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को व्हाट्सएप चैट, कॉल रिकॉर्डिंग, ऑडियो क्लिप तथा अन्य दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध कराने का दावा किया है। मामले की जांच जोधपुर पश्चिम के बोरानाड़ा थाना पुलिस कर रही है।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 316(2), 318(4), 308(2) और 61(2)(बी) के तहत मामला दर्ज किया है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण करे - कलेक्टर

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री वैशाली जैन सहित जिले के विभिन्न विभाग प्रमुख एवं अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने विभिन्न विभाग प्रमुखों को एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण करते हुए पोर्टल पर लोकेशन आधारित फोटोग्राफ अपलोड करने को कहा। परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण ने बताया कि जिले के नगरीय निकायों द्वारा 2 लाख से अधिक पौधारोपण किया जाएगा। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि वह पोषण आधारित पौधारोपण करें। घने स्तर पर पौधरोपण करने के बाद पौधों की व्यवस्थित देखभाल की जाए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री टी बी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत सभी प्रथम श्रेणी अधिकारियों को निःक्षय मित्र बनकर टी बी के पॉजिटिव मरीज हेतु फूड बॉस्केट प्रदान करने के लिए कहा। उन्होंने डीन मेडिकल कॉलेज को बिजली बचाने के लिए सोलर आधारित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। लोक सेवा केंद्र अंतर्गत सभी आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने तथा समय अवधि पत्र का समय सीमा में निराकरण करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान, वाटर हार्वेस्टिंग संबंधी गतिविधियां आदि के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने श्रम विभाग के अधिकारियों को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना अंतर्गत अधिक से अधिक हितग्राही को पंजीकृत करने के निर्देश दिए। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि योजना में 15000 रुपए तक की मासिक आय अर्जित करने वाले लोग योजना में पात्र हैं। योजना में पंजीकरण के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष होना चाहिए। इसके लिए आयु के आधार पर मासिक आय से 55 रुपए से लगभग 250 रुपए प्रतिमाह की राशि देना होती है। योजना में 60 वर्ष की आयु के बाद 3000 रूपये प्रति माह की निश्चित पेंशन प्राप्त होती है, योजना में पंजीकरण के लिए नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर पर आसानी से पंजीयन कराया जा सकता है।

कलेक्टर ने उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ नवीन शुक्ला को निर्देशित किया कि रतलाम जिले की खेमरिया और तालीदाना गौशाला को मॉडल गौशाला के रूप में विकसित किया जाए। श्री नवीन शुक्ला ने बताया कि पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा लखपति गौ पालक दीदी योजना प्रारंभ की गई है।

नीमच में सियासी घमासान के बीच सीएम मोहन यादव के दौरे की झलकियां

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय नवकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी का नीमच दौरा सियासी गरमाहट, तीखे बयानों और विकास की बड़ी सौगातों का गवाह बना।

हेलीपैड पर हाई-वोल्टेज ड्रामा- एक तरफ विरोध, दूसरी तरफ अपनों की नाराजगी

मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर जैसे ही नीमच हेलीपैड पर उतरा, उसके पूर्व ही जबरदस्त सियासी हलचल शुरू हो गई।

कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन- मुख्यमंत्री से मिलने का समय न दिए जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस के साथ उनकी तीखी गुत्थम-गुत्था भी हुई। अंततः पुलिस ने कॉंग्रेस नेताओं को गिरफ़्तारी में लिया और पुलिस वेन से उन्हे अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। इस दौरान शहर में वेन जहां-जहां से गुजरी कार्यकर्ता मोहन यादव चोर है के नारे लगाते रहे ।

भाजपा नेताओं का संघर्ष और असंतोष- दूसरी तरफ, भाजपा कार्यकर्ता और नेता हेलीपेड़ पर मुख्यमंत्री से मिलने के लिए बैरिकेड्स पार करने के लिए जूझते नजर आए। पुलिस द्वारा बाहर रोके जाने से नाराज सुरेन्द्र सेठी, भाजपा नेता महेंद्र भटनागर, राकेश भारद्वाज और आयुष कोठारी सहित कई नेताओं ने जिला प्रभारी सुभाष पटेल के सामने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। इस बीच सुभाष पटेल इन्हे मीडिया का हवाला देते हुए धीरह धरने को कहते रहे, बाद में सांसद सुधीर गुप्ता और विधायक दिलीप सिंह परिहार ने मीडिया के पूछने पर कोई विवाद नहीं है कहकर मामले को टाल दिया।

2. मंच पर आत्मीयता- ष्टरूने प्रभारी मंत्री को आगे बढ़ाया, पप्पू जैन पर लुटाया प्यार- हेलीपैड से नेताओं का काफिला सीधे मुख्य जनसभा स्थल पर पहुंचा। मंच पर आते ही दोनों वरिष्ठ नेताओं ने हाथ उठाकर जनता का अभिवादन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने पीछे खड़ीं प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया को खुद आगे बुलाया और उनसे दीप प्रज्वलन करवाया।

3. राकेश 'पप्पू' जैन के सर पर हाथ फेरा- मंच पर स्वागत के दौरान पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राकेश पप्पू जैन मोतियों की माला लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने उन पर विशेष स्नेह दिखाते हुए न सिर्फ माला पहनी, बल्कि प्यार से उनके सिर पर हाथ भी फेरा। मंच पर उज्जैन रेंज के आईजी राकेश गुप्ता, सांसद सुधीर गुप्ता, सांसद बंशीलाल गुर्जर और विधायक गण सहित कई दिग्गज मौजूद रहे।

4. स्नान पूर्णिमा का संदर्भ- विधायक परिहार बोले हमारे आप ही जगन्नाथ हैं- स्वागत उद्बोधन देते हुए विधायक दिलीप सिंह परिहार ने मुख्यमंत्री को जननायक और यशस्वी मुख्यमंत्री बताया। आज देश और नीमच में मनाए जा रहे श्री जगन्नाथ स्नान पूर्णिमा महोत्सव का संदर्भ जोड़ते हुए उन्होंने भावुक अंदाज में कह दिया कि, हमारे लिए आप ही जगन्नाथ हैं। विधायक परिहार ने इसी मंच से भादवामाता क्षेत्र के विकास के लिए ?17 करोड़ की मांग रखी, जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकार करते हुए अपने संबोधन में भादवामाता प्रोजेक्ट के लिए ?17 करोड़ की राशि स्वीकृत करने की बड़ी घोषणा कर दी।

5. केन्द्रीय मंत्री जोशी ने नीमुच से मांगी माफी- राहुल गांधी पर कसा तंज- केंद्रीय नवकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने अपने चुटीले अंदाज से जनता का दिल जीत लिया। दक्षिण भारतीय होने के कारण उन्होंने विनम्रता से कहा, मैं दक्षिण भारत से आता हूं, मेरी हिंदी इतनी अच्छी नहीं है, इसलिए कोई गलती हो तो माफ कर देना। वे पूरे भाषण में नीमच को नीमुच कहते रहे।

उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेसी कभी स्ह (सौर ऊर्जा) की शक्ति को नहीं समझ पाए, वे तो बस स्ह्ह (बेटे राहुल गांधी) की शक्ति को ही महत्वपूर्ण मानते रहे। मंत्री जोशी ने राजा भोज से मुख्यमंत्री मोहन यादव के विजन की तुलना की।

6. मंच पर दिलचस्प मोड़- केंद्रीय मंत्री की आलोचना से निकला मप्र के लिए बड़ा फैसला- भाषण के दौरान केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वहां किसानों को सिंचाई के लिए बे-टाइम रात में बिजली दी जाती है। हालांकि, बोलते समय वे इस बात से अनजान थे कि खुद मध्यप्रदेश में भी अब तक किसानों को रात में ही बिजली मिल रही है।

मंच पर बैठी जनता और मुख्यमंत्री मोहन यादव उनकी यह बात सुन रहे थे। इस दिलचस्प मोड़ पर मुख्यमंत्री ने स्थिति को संभालते हुए अपनी बारी आने पर मंच से ऐलान किया। उन्होंने घोषणा की कि अगले वर्ष से मध्यप्रदेश में भी किसानों को रात की परेशानी से मुक्ति मिलेगी और खेत के लिए दिन में ही बिजली दी जाएगी।

6. मुख्यमंत्री का जीतू पटवारी पर पलटवार और कलेक्टर की तारीफ - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नीमच की धरती को दो-दो मुख्यमंत्रियों और नेत्रदान की पवित्र भूमि बताकर इसकी तारीफ की। उन्होंने जिला प्रशासन की पीठ थपथपाते हुए कहा कि जल गंगा अभियान में नीमच पूरे प्रदेश में नंबर-1 आया है और बोर्ड परीक्षाओं में भी टॉप-10 में है। इस पर उन्होंने मंच से ही कलेक्टर हिमांशु चंद्रा से चुटकी लेते हुए पूछा, कुछ छोड़ेगे की नहीं?

भाषण के आखिरी हिस्से में उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के एक कथित बयान पर तीखा पलटवार किया। मुख्यमंत्री ने कहा, जीतू पटवारी कहते हैं कि महिलाएं लाड़ली बहना के पैसे से दारू पी जाती हैं। मेरी माताएं-बहनें इस अपमान को याद रखना और आने वाले चुनाव में भाजपा को वोट देकर इस बात का करारा बदला लेना।

7. विधायक सखलेचा ने सम्बोधन बीच में छोड़ा- विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने अपने भाषण में एमएसएमई मंत्री रहते आज जिले में हो रहे विकास कार्यों के लिए अपने कामों को गिनना शुरू कर दिया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव से कहा कि आपके मुख्यमंत्री बनाने के पहले जब में मंत्री था तब हमने सींगोली में सोर ऊर्जा का बीज बोया। साथ ही उन्होंने बताया की उनके मंत्री रहते आज जिले के विकास में हो रहे कार्यों की संकल्पना की गई। जावद की उपेक्षा और अन्य काम गिनाते वक्त भाषण लंबा होने से उन्हे मुख्यमंत्री ने इशारों में भाषण जल्दी खत्म करने का इशारा किया और हाथ लहराते हुए विधायक सखलेचा को याद दिलाया कि हमें हेलीकॉप्टर से सर्वे कर लौटना भी है. इसके बाद भाषण में 'चलो छोड़ो' बोल कर विधायक सखलेचा अपनी कुर्सी पर जा कर बैठ गए।

सम्पादकीय

पोषण सुरक्षा के लिए कृषि और स्वास्थ्य को जोड़ेगी नई पहल

देश में भरपूर खाद्यान्न उत्पादन से खाद्य सुरक्षा मजबूत करने के बाद अगला अहम कदम पोषण सुरक्षा पर ध्यान देना है। इसका मकसद खराब या कुपोषण से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएं दूर करना है। इसके लिए कृषि और स्वास्थ्य मंत्रालयों की नीतियों और कार्यक्रमों को एक साथ लाने और दोनों के बीच तालमेल बैठाने की जरूरत है।

पिछले महीने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और भारतीय चिकित्सा शोध परिषद (आईसीएमआर) द्वारा संयुक्त रूप से शुरू 'मिशन सेहत' (कृषि में परिवर्तन के माध्यम से स्वास्थ्य के लिए विज्ञान उत्कृष्टता) इस दिशा में एक नेक इरादे वाला कदम लगता है।

इसका मकसद दोहरा लक्ष्य हासिल करना है यानी पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के उत्पादन और खपत को बढ़ावा देना और आम बीमारियों के इलाज के बजाय उनकी रोकथाम पर अधिक जोर देते हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को नई दिशा प्रदान करना।

खास बात यह है कि यह पहल ऐसे समय में शुरू की गई है जब यह चिंता बढ़ रही है कि अधिक उपज देने वाली फसल की आधुनिक किस्में आम तौर पर अपनी पुरानी किस्मों की तुलना में कम पौष्टिक होती हैं। यह धारणा पूरी तरह बेबुनियाद नहीं है। इसके समर्थन में पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद हैं। अध्ययनों से पता चला है कि 20वीं सदी के मध्य से विकसित खाद्य फसलों की ज्यादातर किस्मों में कैल्शियम, आयरन और फॉस्फोरस जैसे जरूरी पोषक तत्वों की मात्रा उनकी पारंपरिक किस्मों की तुलना में 38 फीसदी तक कम होती है।

पर्याप्त अनाज, सब्जियों और फलों की उपलब्धता के बावजूद बड़े पैमाने पर कुपोषण और पोषण की कमी का यह एक मुख्य कारण हो सकता है। नवीनतम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (वर्ष 2023-24) से पता चलता है कि देश की 19.7 फीसदी आबादी का वजन (बॉडी मास) सामान्य से कम है जबकि 27.3 फीसदी पुरुष और 30.7 फीसदी महिलाएं अधिक वजन या मोटापे की शिकार हैं। कम वजन और मोटापा दोनों ही गलत पोषण के संकेत हैं। बच्चों के मामले में पोषण संबंधी असामान्यता के मामले और भी चिंताजनक और स्पष्ट है। पांच साल से कम उम्र के 31.8 फीसदी बच्चों का वजन कम है जिनमें 29.3 फीसदी 'नाटे कद के' (वजन के हिसाब से बहुत छोटे कद वाले) हैं और 5.2 फीसदी 'बहुत कमजोर' (कद के हिसाब से बहुत कम वजन वाले) हैं।

स्पष्ट है कि स्वास्थ्य और कृषि मंत्रालय इस चिंताजनक स्थिति से अनजान नहीं हो सकते। फिर भी वे अब तक अपनी-अपनी कार्य योजनाओं पर ही काम करते रहे हैं और स्वास्थ्य तथा भोजन की मात्रा और गुणवत्ता के बीच गहरे संबंध को नजरअंदाज करते रहे हैं। जहां कृषि मंत्रालय बढ़ती आबादी की कैलरी (ऊर्जा) की बुनियादी जरूरत पूरी करने के लिए पर्याप्त भोजन सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय ने बीमारियों की जड़ तक जाने के बजाय मुख्य रूप से बीमारियों के इलाज पर ध्यान दिया है जिसमें खराब पोषण से होने वाली बीमारियां भी शामिल हैं।

'मिशन सेहत' को इस समस्या को समग्र रूप से हल करने की एक कोशिश के तौर पर देखा जा सकता है। इसका मकसद कृषि विकास और फसल-उत्पादन कार्यक्रमों को सार्वजनिक स्वास्थ्य योजनाओं के साथ जोड़ना है ताकि जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों जैसे मधुमेह, उच्च रक्त चाप, मोटापा, शारीरिक या मानसिक विकास में रुकावट और यहां तक कि कैंसर और दिल की बीमारियों जैसी जानलेवा बीमारियों के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए उनके तालमेल का फायदा उठाया जा सके। माना जाता है कि सही पोषण इन बीमारियों से बचने के अहम तरीकों में से एक है।

'मिशन सेहत' पर जारी आधिकारिक नोट में बताया गया है कि देश की स्वास्थ्य रणनीति अब 'प्रतिक्रियाशील, इलाज-आधारित ढांचे से हटकर सक्रिय, रोकथाम-केंद्रित दृष्टिकोण' की ओर बढ़ेगी। इस मकसद के लिए प्रस्तावित पांच-सूत्रीय कार्य योजना में ये बातें शामिल हैं।

पहला सूत्र है, बायो-फोर्टिफाइड (पोषक तत्त्वों से भरपूर) फसल किस्मों को बढ़ावा देना जिनमें ऐसे जीन होते हैं जो उन्हें आयरन और जिंक जैसे सूक्ष्म पोषक तत्त्वों और कुछ जरूरी विटामिनों से भरपूर बनाते हैं। इनकी कमी से ही अक्सर 'छिपी हुई भूख' की समस्या पैदा होती है। योजना के इस हिस्से में प्राकृतिक रूप से पोषक तत्त्वों से भरपूर अनाज, जैसे कि श्रीअन्न या मोटे अनाज (मिलेट) और रागी की खपत बढ़ाना भी शामिल है।

दूसरा सूत्र है, एकीकृत खेती प्रणालियों को लोकप्रिय बनाना जिसमें फसलों की खेती को खेती से जुड़ी अन्य गतिविधियों जैसे बागवानी, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मछली पालन, मुर्गी पालन और सुअर पालन के साथ जोड़ा जाता है। इससे अपेक्षाकृत पौष्टिक भोजन की कुल उपलब्धता बढ़ती है आहार में पोषण संबंधी विविधता आती है और कृषि आय में भी बढ़ोतरी होती है।

तीसरा कदम है खेती से जुड़ी ऐसी रणनीतियों को आगे बढ़ाना जिनसे मधुमेह, उच्च रक्त चाप और दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं जैसी गैर-संक्रामक और जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों को रोका जा सके। इसके लिए प्रसंस्कृत, अधिक तेल वाले और सेहत के लिए नुकसानदेह उत्पादों के बजाय कार्यात्मक खाद्य पदार्थ (फंक्शनल फूड) के सेवन को बढ़ावा देने का प्रस्ताव है। ये खाद्य पदार्थ सेहत के लिए खास तौर पर फायदेमंद होते हैं।

चौथा कदम, मकसद किसानों और खेत में काम करने वालों की सेहत और सुरक्षा को बेहतर बनाना है ताकि वे जहरीले और खतरनाक कीटनाशकों और दूसरे रसायनों के संपर्क में कम आएं।

हृदय चक्र की जागृति से प्राप्त होती है निडरता, आत्मविश्वास एवं ओजस्विता

भारतीय योग परंपरा में अनहद (हृदय) चक्र को प्रेम, करुणा, सुरक्षा और आत्मबल का केंद्र माना गया है। यह सूक्ष्म शरीर का चौथा चक्र है, जो उरोस्थि (स्टर्नम) के पीछे मेरुरज्जु में स्थित है तथा इसकी बारह पंखुड़ियाँ हैं। बाल्यावस्था में यह चक्र रोग प्रतिकारक क्षमता के विकास से भी जुड़ा माना जाता है।

परम पूज्य श्री माताजी के अनुसार हृदय चक्र के तीन प्रमुख आयाम हैं। दाहिने भाग पर श्रीराम का स्थान है, जो मर्यादा, उत्तरदायित्व और पितृ संरक्षण के प्रतीक हैं। बाएँ भाग का संबंध श्री शिव तथा मातृत्व से है, इसमें आत्मस्वरूप श्री सदाशिव का वास होता है। मध्य भाग देवी जगदम्बा का स्थान है, ये हमें निडरता तथा साहस प्रदान करती हैं। नियमित सहजयोग ध्यान द्वारा जब यह केंद्र संतुलित होता है, तब भय दूर होकर धैर्य, साहस और आत्मविश्वास का विकास होता है। श्री माताजी ने अपने प्रवचनों में बताया है कि हृदय चक्र की जागृति से मनुष्य के भीतर निस्वार्थ प्रेम, सुरक्षा की भावना, आत्मविश्वास और निर्भयता का संचार होता है। कुण्डलिनी शक्ति जब इस चक्र को प्रकाशित करती है, तब साधक अपने वास्तविक आध्यात्मिक स्वरूप का अनुभव करने लगता है और उसके व्यक्तित्व में ओजस्विता एवं संतुलन का विकास होता है।

हमारे सूक्ष्म शरीर में स्थित कुण्डलिनी शक्ति तथा चक्र आध्यात्मिक विकास की सीढ़ियां हैं। सहजयोग ध्यान द्वारा साधक इन चक्रों के जागरण के माध्यम से अंततः अपने हृदय में स्थित शिव तत्व का अनुभव करता है। आत्मसाक्षात्कार की यह सहज प्रक्रिया प्रत्येक व्यक्ति के लिए उपलब्ध है और जीवन में शांति, संतुलन तथा आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है।

ट्रॉफी वाली टीम हारी, भूख वाली टीम ने इतिहास रच दिया

विश्व क्रिकेट में प्रतिष्ठा, ट्रॉफियां और रैंकिंग केवल रिकॉर्ड सजाती हैं; मैदान पर जीत उसी की होती है जो परिस्थितियों को सबसे बेहतर पढ़ता है। 26 और 28 जून 2026 को बेलफास्ट ने भारतीय क्रिकेट को यही कठोर सच दिखा दिया। टी20 विश्व चैंपियन भारत को आयरलैंड ने लगातार दो मुकाबलों में हराकर 0-2 से ऐतिहासिक श्रृंखला जीत ली और साबित कर दिया कि क्रिकेट में नाम नहीं, तैयारी और अनुकूलन ही सबसे बड़े हथियार हैं। पहले मैच में 34 रन और दूसरे में महज एक रन की जीत ने आयरलैंड को इतिहास के शिखर पर पहुंचा दिया, जबकि भारत के आत्मसंतोष की परतें भी उधेड़ दीं। श्रेयस अय्यर की कप्तानी का आगाज जिस उम्मीद के साथ हुआ था, वह बेलफास्ट की ठंडी हवाओं में कड़ी हकीकत से टकरा गया।

बेलफास्ट में जीत का फैसला खिलाड़ियों के नाम नहीं, परिस्थितियों की समझ ने किया। आयरलैंड ने पिच, मौसम और स्विंग को अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया। पदार्पण कर रहे मैथ्यू हॉलर्ड ने सधी गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को लगातार उलझाए रखा, जबकि लोरकन टकर ने धैर्य और आक्रामकता के संतुलन से जीत की नींव रखी। पांच प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरी आयरिश टीम का अनुशासन और सामूहिक खेल पूरे मैच में दिखा। दूसरी ओर भारत विश्व कप जीत के आत्मविश्वास को सही रणनीति में नहीं बदल सका। विदेशी परिस्थितियों को हल्के में लेने का परिणाम यह हुआ कि स्विंग और विविध गेंदबाजी के सामने भारतीय बल्लेबाजी बार-बार बिखर गई।

दोनों मुकाबलों का स्कोरकार्ड भारतीय टीम की कमजोरियों का आईना बन गया। पहले मैच में 182 रनों का लक्ष्य भारत को 148 पर रोक गया, जबकि दूसरे में 155 रनों का पीछा करते हुए टीम 153 रन पर थम गई। ये सिर्फ दो हार नहीं, बल्कि निर्णायक क्षणों में रणनीतिक चूकों की कीमत थीं। बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढाल नहीं सके और गेंदबाज दबाव के समय प्रभाव नहीं छोड़ पाए। दूसरी ओर आयरलैंड ने हर मौके को जीत में बदला। यही अंतर विश्व चैंपियन और उस दिन की बेहतर टीम के बीच साफ दिखा। इस श्रृंखला ने फिर साबित कर दिया कि क्रिकेट में किसी भी टीम को हल्के में लेना सबसे बड़ी भूल है।

बेलफास्ट ने भारतीय क्रिकेट की कई छिपी कमजोरियों से पर्दा हटा दिया। विश्व चैंपियन बनने के बावजूद टीम की गहराई, निरंतरता और मानसिक मजबूती सवालों के घेरे में आ गई। अनुभवी खिलाड़ियों की कमी और कुछ खिलाड़ियों की खराब फॉर्म ने संतुलन बिगाड़ दिया। सबसे बड़ी चिंता यह रही कि मुश्किल हालात में टीम समाधान खोजने के बजाय दबाव में बिखरती दिखी। इसके विपरीत सीमित संसाधनों वाली आयरिश टीम ने अनुशासन, सटीक तैयारी और सामूहिक खेल के दम पर असंभव को संभव कर दिखाया। इस जीत ने फिर साबित किया कि आधुनिक क्रिकेट में बड़े संसाधन नहीं, बल्कि सही रणनीति और उसे पूरी प्रतिबद्धता से लागू करने की क्षमता जीत दिलाती है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी का आगाज उम्मीदों के विपरीत दो लगातार हारों के साथ हुआ। यह झटका केवल परिणाम का नहीं, बल्कि रणनीतिक कमियों का भी था। टीम चयन, गेंदबाजों का उपयोग और मध्य ओवरों की योजना कई मौकों पर कमजोर दिखी। अभिषेक शर्मा ने उम्मीद जगाई, लेकिन बाकी बल्लेबाजी अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी। कप्तानी सिर्फ फैसले लेने का नहीं, बल्कि परिस्थितियों के अनुरूप पूरी टीम की सोच ढालने का कौशल भी है। बेलफास्ट में भारत इसी कसौटी पर पिछड़ गया। अब बहानों का नहीं, ईमानदार आत्ममंथन और ठोस सुधार का समय है।

भारतीय क्रिकेट का इतिहास बताता है कि बड़ी हारें अक्सर बड़े बदलाव की नींव बनती हैं। 2007 विश्व कप की निराशा के बाद टीम ने जिस तरह खुद को बदला, वह आज भी मिसाल है। बेलफास्ट की यह हार भी वैसा ही चेतावनी संकेत बन सकती है, यदि इससे सही सबक लिया जाए। आज विश्व क्रिकेट बदल चुका है, जहां छोटी टीमें भी तैयारी, डेटा विश्लेषण और मानसिक दृढ़ता के दम पर दिग्गजों को झुका रही हैं। आयरलैंड ने साबित कर दिया कि भूख, अनुशासन और परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की क्षमता किसी भी बड़े नाम से अधिक ताकतवर होती है। भारत को अब विदेशी परिस्थितियों के लिए अपनी मानसिक और तकनीकी तैयारी को नए स्तर पर ले जाना होगा।

भारतीय प्रशंसकों के लिए यह श्रृंखला गहरी निराशा छोड़ गई। विश्व कप जीत का उत्साह अभी फीका भी नहीं पड़ा था कि बेलफास्ट ने जश्न को आत्ममंथन में बदल दिया। लेकिन खेल की सबसे बड़ी सीख यही है कि हर हार सुधार का अवसर लेकर आती है। भारत को अब गेंदबाजी में विविधता, मध्यक्रम में स्थिरता और फील्डिंग में तेजी लाने पर तुरंत काम करना होगा। अन्यथा ऐसी चौंकाने वाली हारें भविष्य में भी दोहराई जा सकती हैं। वहीं आयरलैंड ने साबित कर दिया कि सीमित संसाधन नहीं, बल्कि बड़े इरादे और पक्की तैयारी इतिहास रचते हैं।

बेलफास्ट की यह श्रृंखला भारत के लिए सिर्फ हार नहीं, बल्कि समय पर मिली कड़ी चेतावनी है कि चैंपियन बनना कठिन है, लेकिन चैंपियन बने रहना उससे भी बड़ी चुनौती। यदि इस झटके को अहंकार नहीं, सुधार का अवसर माना गया, तो यही हार भविष्य की नई सफलताओं की नींव बनेगी। लेकिन इसे एक साधारण असफलता मानकर भुला दिया गया, तो ऐसी ठोकरें बार-बार प्रतिष्ठा पर चोट करती रहेंगी। आयरलैंड ने साहस, तैयारी और अटूट विश्वास से इतिहास रच दिया। अब भारत के सामने एक ही रास्ता है–ईमानदार आत्ममंथन, कठोर परिश्रम और परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालना। क्योंकि क्रिकेट आखिर उसी को सलाम करता है, जो हर हार के बाद और अधिक मजबूत होकर लौटता है।

-प्रो. आरके जैन

नैतिकता और साहित्य सामाजिक संरचना के महीन रेशे

आज का युग विज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग है। मनुष्य ने विकास के अनेक शिखर छू लिए हैं, किंतु यदि उसके भीतर नैतिक मूल्यों का ह्रास हो जाए तो यह विकास विनाश का कारण भी बन सकता है। ऐसे समय में साहित्य समाज को मानवीय मूल्यों से जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर सामने आता है।साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद ने कहा था कि साहित्य वही है जिसमें उच्च चिंतन, स्वतंत्रता का भाव, सौंदर्य का सार और जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश हो।

साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं होना चाहिए बल्कि मनुष्य के चरित्र-निर्माण का माध्यम हो।रवीन्द्रनाथ ठाकुर का विश्वास था मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मानवता ही है।

साहित्य इसी मानवता को जागृत करता है। वह मनुष्य को दूसरे के दुःख को अपना दुःख समझना सिखाता है।

भारतीय संस्कृति में नैतिकता को धर्म का मूल माना गया है। सत्य, अहिंसा, दया, करुणा, परोपकार और सहिष्णुता जैसे मूल्य केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं इन्हें साहित्य ने जन-जन तक पहुँचाया है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के माध्यम से मर्यादा, कर्तव्य और आदर्श जीवन का संदेश दिया, वहीं कबीर ने पाखंड का विरोध करते हुए प्रेम और सत्य का मार्ग दिखाया।

साहित्य सामाजिक यथार्थ का आईना ही नहीं, उसका मार्गदर्शक भी है।यह कथन केवल एक उक्ति नहीं, मानवीय सभ्यता का सत है। जिस समाज में नैतिकता और साहित्य का सम्मान होता है, वहाँ संवेदनाएँ फलती हैं, न्याय आदर प्राप्त करता है और मनुष्य केवल भौतिक रूप से नहीं, बल्कि मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध होता है। नैतिकता मनुष्य के चरित्र का आधार है, जबकि साहित्य उसके हृदय की रक्त वाहिनी है। दोनों का समन्वय ही किसी सभ्य समाज का वास्तविक मूल है।

महात्मा गांधी का प्रसिद्ध कथन है कि- सत्य और अहिंसा ही मेरे जीवन का धर्म है। उनके विचारों पर साहित्य का गहरा प्रभाव था। उन्होंने अनेक ग्रंथों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को नैतिकता का उदाहरण बनाया।

रूसी साहित्यकार लियो टॉल्स्टॉय का मानना था कि

सच्ची कला मानवता को जोड़ती है।

उनकी रचनाएँ केवल कहानियाँ नहीं, बल्कि नैतिक चेतना की पाठशाला हैं। इसी प्रकार मैक्सिम गोर्की ने साहित्य को संघर्षशील समाज की आवाज़ बताया।

हिंदी के महान कवि रामधारी सिंह दिनकर ने लिखा मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है।

यह बात केवल प्रेरणा नहीं देती, बल्कि आत्मविश्वास और नैतिक साहस का भी संदेश देती है। आज समाज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है,भ्रष्टाचार, हिंसा, उपभोक्तावाद, पारिवारिक विघटन, पर्यावरण संकट और सामाजिक असहिष्णुता। इन समस्याओं का समाधान केवल कानून से संभव नहीं है। जब तक मनुष्य के भीतर नैतिक चेतना जागृत नहीं होगी, तब तक स्थायी परिवर्तन नहीं आएगा।

-संजीव ठाकुर

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णतः सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।

-ललित गर्ग

क्यूसीओ नियमों में ढील पर्याप्त नहीं, गुणवत्ता ढांचे की व्यापक समीक्षा जरूरी

केंद्र सरकार का संक्रमण सुविधा (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2026 को लागू करने का निर्णय अप्रत्यक्ष रूप से यह दिखाता है कि भारत का गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) ढांचा व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं विशेषकर विनिर्माण क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है। नया ढांचा खिलौने, जूते, एयर-कंडीशनर, फर्नीचर और वॉशिंग मशीन जैसे क्षेत्रों के निर्माताओं को पारंपरिक भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) प्रमाणन मार्ग के बजाय जोखिम आधारित अनुपालन तंत्र के माध्यम से उत्पादों की सोर्सिंग की अनुमति देता है। जिन कंपनियों का अनुपालन रिकॉर्ड सिद्ध है, जिनके पास मजबूत गुणवत्ता प्रणाली और तकनीकी क्षमता है वे सरकारी समिति के माध्यम से अनुमति प्राप्त कर सकती हैं, हालांकि उन्हें भारतीय मानकों का पालन जारी रखना होगा। इसका उद्देश्य गुणवत्ता से समझौता किए बिना आपूर्ति की बाधाओं को दूर करना है। यह तत्काल राहत स्वागतयोग्य है लेकिन यह वास्तविक समस्या का समाधान नहीं करेगी।

क्यूसीओ का मूल उद्देश्य उपभोक्ताओं की रक्षा के लिए गुणवत्ता मानक सुनिश्चित करना, उत्पाद गुणवत्ता में सुधार करना और निम्नस्तरीय आयात को भारतीय बाजारों से दूर रखना था। लेकिन समय के साथ यह नीति अपने मूल उद्देश्यों से कहीं आगे बढ़ गई। साल 2014 में लगभग 100 उत्पादों को कवर करने वाले क्यूसीओ अब 650 से अधिक उत्पाद श्रेणियों तक विस्तारित हैं। इसके अलावा अब ये केवल तैयार उपभोक्ता वस्तुओं पर ही लागू नहीं होते।

कच्चे माल, औद्योगिक घटक, मध्यवर्ती उत्पाद और मशीनरी भी धीरे-धीरे इसके दायरे में आ गए हैं जिससे विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हो रही हैं। इस ढांचे की आर्थिक लागतें बढ़ रही हैं। आयातित कच्चे माल पर निर्भर निर्माता जरूरी चीजें नहीं जुटा पा रहे हैं क्योंकि विदेशी आपूर्तिकर्ताओं को पहले बीआईएस से प्रमाणन लेना पड़ता है। अनुमोदन की प्रक्रिया अक्सर धीमी, महंगी और अनिश्चित होती है।

यह बोझ असमान रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों पर पड़ता है जिनके पास विदेशी आपूर्तिकर्ताओं को भारतीय प्रमाणन लेने के लिए मनाने की क्षमता नहीं होती या लंबे विलंबों को झेलने के संसाधन नहीं होते। भारतीय विनिर्माण को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के बजाय, इस ढांचे ने घरेलू कंपनियों के लिए वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में शामिल होना और कठिन बना दिया है। क्यूसीओ को अक्सर आयात पर एक गैर शुल्क अवरोध के रूप में देखा जाता है।

सेंटर फॉर सोशल एंड इकनॉमिक प्रोग्रेस के एक अध्ययन में पाया गया कि क्यूसीओ के दायरे में आने वाले उत्पादों का आयात आदेश लागू होने के बाद समय के साथ लगभग 24 फीसदी घट गया लेकिन निर्यात में कोई समान सुधार नहीं हुआ। बिना निर्यात प्रतिस्पर्धा को मजबूत किए गुणवत्ता वाले कच्चे माल तक पहुंच को सीमित करना केवल उत्पादन लागत बढ़ाता है और विनिर्माताओं को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कम प्रतिस्पर्धी बनाता है।

सरकार की समीक्षा भी इसी तरह के निष्कर्षों पर पहुंची प्रतीत होती है। नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा की अध्यक्षता वाली एक उच्चस्तरीय समिति ने पाया कि क्यूसीओ अनुपालन लागत बढ़ाते हैं और आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करते हैं। समिति ने 200 से अधिक क्यूसीओ को रद्द करने, निलंबित करने या स्थगित करने की सिफारिश की थी। समिति की सलाह के आधार पर नवंबर 2025 तक इनमें से लगभग 76 आदेश स्थगित किए गए लेकिन उसके बाद बहुत कम प्रगति सामने आई है।

नवीनतम अधिसूचना अपेक्षित सुधार से काफी कम है। क्यूसीओ ढांचे को तर्कसंगत बनाने के बजाय सरकार ने एक चयनात्मक छूट तंत्र अपनाया है। समिति-आधारित अफसरशाही वाला रवैया केवल भारतीय आयातकों के लिए अनिश्चितता और मु?श्किलें बढ़ाएगा। यह व्यवस्था लाइसेंस राज जैसी है जहां अनुमतियां चयनात्मक रूप से दी जाती हैं व्यापक अफसरशाही विवेकाधिकार और कम जवाबदेही के साथ। उल्लेखनीय है कि नई व्यवस्था के तहत लाइसेंस प्रारंभ में दो वर्षों के लिए मान्य होंगे और बाद में उनका नवीनीकरण किया जा सकता है।

इससे स्पष्ट रूप से अनिश्चितता बढ़ेगी। इसके बजाय आवश्यक यह है कि क्यूसीओ ढांचे की व्यापक समीक्षा की जाए। सरकार को इस ढांचे की लागत और लाभों को वस्तुनिष्ठ रूप से देखना चाहिए। अनिवार्य क्यूसीओ केवल उन उत्पादों तक सीमित होने चाहिए जिनका उपभोक्ता स्वास्थ्य और सुरक्षा पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। औद्योगिक कच्चे मालों को पारदर्शी, जोखिम-आधारित मानकों के माध्यम से नियंत्रित किया जाना चाहिए जिन्हें बाजार निगरानी और उल्लंघनों पर सख्त दंड का समर्थन हासिल हो।

-धनंजय राजौरा

अमलतास आयुर्वेद कॉलेज के भावी डॉक्टरों ने नुक्कड़ नाटक के जरिए दिया नशामुक्ति का संदेश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के भावी चिकित्सकों ने सामाजिक सरोकार और जन-जागरूकता की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाया है। रेड क्रॉस के अंतर्गत, संस्थान के छात्र-छात्राओं द्वारा देवास के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर नशामुक्ति विषय पर एक बेहद प्रभावशाली और संवेदनशील नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज में बढ़ते नशे के दुष्प्रभावों को रेखांकित किया और लोगों को इससे दूर रहने का संकल्प दिलाया।

यह गरिमामय कार्यक्रम अमलतास ग्रुप के माननीय फाउंडर चेयरमैन श्री सुरेश सिंह भदौरिया एवं माननीय चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया के शुभाशीष और कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। चेयरमैन द्वय ने विद्यार्थियों के इस सामाजिक प्रयास की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस सफल आयोजन में संस्थान के डायरेक्टर डॉ. अभिजीत तायडे, जनरल मैनेजर श्री मनीष शर्मा एवं प्राचार्या डॉ. अनीता घोडके की गरिमामय उपस्थिति और विशेष मार्गदर्शन रहा। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों के इस प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि समाज को जागरूक करने और एक स्वस्थ व नशामुक्त भारत के निर्माण में हमारे भावी डॉक्टरों की यह भूमिका अत्यंत सराहनीय है। चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करना ही एक सच्चे चिकित्सक की पहचान है।

इस संपूर्ण भव्य कार्यक्रम का सफल समन्वय और कुशल मार्गदर्शन डॉ. अक्षय शर्मा द्वारा किया गया। नाटक के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने तालियां बजाकर भावी डॉक्टरों का उत्साहवर्धन किया और इस संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

आयुक्त दलीप कुमार ने शंकरगढ़ गौशाला संचालक को व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के दिए निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने नवीन शंकरगढ़ गौशाला का निरीक्षण कर गौवंशों के संरक्षण एवं आगंतुकों के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने आगामी वर्षा एवं अन्य मौसम की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भूसे का पर्याप्त मात्रा में पूर्व भंडारण (स्टोरेज) सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि गौवंशों के चारे की उपलब्धता निरंतर बनी रहे। उन्होंने गौशाला परिसर को अधिक आकर्षक एवं प्रेरणादायक बनाने के उद्देश्य से नवीन शेड की दीवारों पर सुंदर कलाकृतियां एवं गौ-संरक्षण आधारित चित्रकारी कराने के निर्देश दिए, जिससे गौशाला आने वाले परिवारों एवं गौ-प्रेमियों को आकर्षक वातावरण मिले तथा वे यहां स्मरणीय सेल्फी भी ले सकें। इसके साथ ही आयुक्त ने आगंतुकों द्वारा सुरक्षित रूप से गौवंश को हरा चारा खिलाने के लिए सुरक्षित स्टैंड एवं निर्धारित फीडिंग जोन विकसित करने के निर्देश दिए। इस कार्य की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य निरीक्षक एवं गौशाला नोडल अधिकारी हरेंद्र सिंह ठाकुर, संस्था अभीरंग के संचालक बसंत वर्मा एवं रिंकू बेरागी सहित अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे। आयुक्त ने संस्था अभिरंग को गौशाला की व्यवस्थाओं को और अधिक सुव्यवस्थित, स्वच्छ एवं जनहितैषी बनाने के लिए समन्वयपूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए।

एमजी रोड का आयुक्त ने किया औचक निरीक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एमजी रोड पर चल रहे निर्माण कार्यो का आयुक्त दलीप कुमार ने सोमवार 29 जून को औचक निरीक्षण किया। आयुक्त ने एमजी रोड पर नाला निर्माण कार्य को देखा तथा वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य मे गति लाने के निर्देश दिए। एमजी रोड नाला निर्माण के साथ सिवरेज एवं विद्युत लाईन जो डाली जा रही है उस संबंध मे आयुक्त नें किये गये कार्यो की जानकारी लेते हुए सिवरेज लाईन को जिन स्थानों से जोडना है उसको भी देखा तथा सिवरेज प्लान का अवलोकन के साथ ड्राईंग भी देखी तथा संबंधित अधिकारी जगदीश वर्मा एवं संबंधित ठेकेदार को शेष रहे सिवरेज कार्य को 5 दिवस मे पूरा कराने के साथ रोड लेवलिंग किये जाने के निर्देश दिए वही जनता बैंक से सुभाष चौक तक किये गये कार्यो के साथ पानी की लाईन एवं सडक निर्माण कार्य को भी शीघ्रताशीघ्र चालू करने के निर्देश सहायक यंत्री सौरभ त्रिपाठी एवं उपयंत्री श्याम सुन्दर रघुवंशी को दिए।

ठगी के शिकार 37 फरियादियों को मिली लूटी गई राशि

एमआरएम पोर्टल के माध्यम से 1 लाख 16 हजार राशि कराई रिफंड

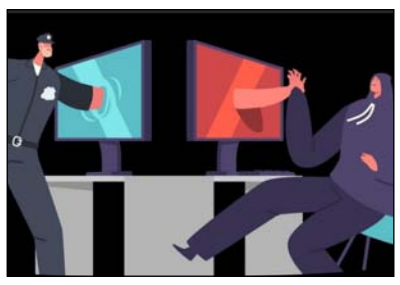

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर ठगी के शिकार 37 फरियादियों की ठगों द्वारा लूटी गई राशि को पुनः उनके खाते में रिफंड कर दिया गया है। अभी तक गृह मंत्रालय के एमआरएम पोर्टल के माध्यम से साइबर ठगी के पीड़ितों लगभग 1 लाख 16 हजार की राशि रिफंड कराई जा चुकी है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के आई4सी नई दिल्ली द्वारा संचालित पोर्टल के पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत साइबर अपराध के पीड़ितों के बैंक खातों में होल्ड/लीन की गई राशि को त्वरित रूप से वापस दिलाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इस संबंध में राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। जिसके पालन में एसपी यशपालसिंह राजपूत के निर्देशन में शाजापुर पुलिस की साइबर टीम एवं जिले के समस्त पुलिस थानों द्वारा समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए एमआरएम पोर्टल के माध्यम से साइबर ठगी के पीड़ितों के 37 खातों में कुल 1 लाख 16 हजार 727 की राशि सफलतापूर्वक रिफंड कराई गई। जिससे पीड़ितों को राहत मिली और उन्होंने साइबर टीम व एसपी का आभार व्यक्त किया है।

पुलिस ने की आमजन से अपील- एसपी श्री राजपूत ने लोगों से अपील की है कि यदि आप किसी भी प्रकार की साइबर ठगी का शिकार होते हैं तो बिना विलंब राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें। समय पर शिकायत दर्ज होने से ठगी गई राशि को होल्ड कर पीड़ित को वापस दिलाने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ

जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा ने नशा मुक्ति एवं सामाजिक नैतिकता जैसे विषयों पर दी विस्तृत जानकारी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग द्वारा वाल्मी संस्था के माध्यम से जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष में किया गया। प्रशिक्षण का शुभारम्भ कर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा ने विभिन्न विभागों एवं स्वंसेवी संस्थाओं के मास्टर वॉलंटियर्स को नशामुक्त भारत अभियान में सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नशा मुक्ति एवं सामाजिक नैतिकता जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

प्रशिक्षण में उप संचालक समाजिक न्याय विभाग देवास श्रीमती संगीता यादव द्वारा मास्टर वॉलंटियर्स को कार्यक्रम की रुप रेखा के बारे में बताया गया। राज्य स्तरीय प्रशिक्षक श्री रजत नागदा, श्री जय कुमार गुप्ता, श्री जितेन्द्र यादव, डॉ. धर्मेंद्र प्रजापति, श्रीमती नीलम सोनी द्वारा नशामुक्ति से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित अधिकारियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के विषय-विशेषज्ञों द्वारा मास्टर वालंटियर्स को नशे की रोकथाम, सघन प्रचार-प्रसार और सामाजिक चेतना जागृत करने के लिए विस्तृत प्रशिक्षण व मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में ब्रम्ह्कुमारी देवास की बी.के. दीदी द्वारा आध्यात्मिक, नैतिक और सामाजिक मूल्यों के माध्यम से नशामुक्ति की अलख जगाने का संकल्प दिलाया गया। साथ ही एल्कोहॉलिक एनोनिमस संस्थां के प्रतिनिधियों द्वारा समुह प्रेरणा से नशा छोडने के बारे में बताया गया। सत्र के अंतिम चरण में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी 119 से अधिक मास्टर वॉलंटियर्स को प्रमाण-पत्र प्रदाय किए गए। यह प्रशिक्षित टीम अब देवास जिले के प्रत्येक शहरी और ग्रामीण अंचल में जाकर मास्टर वॉलंटियर्स के रूप में कार्य करेगें।

बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन 31 अक्टूबर तक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के अंतर्गत बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के अध्ययनरत संतानों को स्?कूली शिक्षा से लेकर उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को पात्र विद्यार्थियों तक योजना की जानकारी पहुंचाने तथा समय-सीमा में आवेदन एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं।

उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर एक जून से प्रारंभ हो चुके हैं। पात्र विद्यार्थी 31 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विभाग ने महाविद्यालयों से अधिकाधिक पात्र विद्यार्थियों को योजना से जोड़ने और उनके आवेदनों का समयबद्ध सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा है।

योजना के अंतर्गत कक्षा एक से लेकर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 1,000 रुपये से 25,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। कक्षा एक से चौथी तक के विद्यार्थियों को 1,000 रुपये, कक्षा 5 से 8 तक 1,500 रुपये, कक्षा 9 एवं 10 के विद्यार्थियों को 2,000 रुपये, कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों को 3,000 रुपये तथा आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं डिग्री पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को 6,000 रुपये की सहायता दी जाती है। वहीं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को 25,000 रुपये प्रतिवर्ष तक की छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाती है।

यह सहायता राशि सीधे विद्यार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से हस्तांतरित की जाती है। योजना का लाभ बीड़ी श्रमिकों, लौह अयस्क, मैंगनीज एवं क्रोम अयस्क खदान श्रमिकों, चूना पत्थर एवं डोलोमाइट खदान श्रमिकों के पात्र बच्चों को दिया जाता है। यह योजना श्रमिक परिवारों के बच्चों को शिक्षा जारी रखने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है।

1 को नवीन कॉलेज में होगा प्रवेशोत्सव का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय महाविद्यालय में 1 जुलाई को सत्र 2026-27 में नव-प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रवेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में सर्वप्रथम नव-प्रवेशित विद्यार्थियों का पुष्पों से स्वागत किया जायेगा। इसके बाद मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता की जानकारी विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की जायेगी। जिसके बाद विद्यार्थियों को महाविद्यालय की सम्पूर्ण जानकारी एवं महाविद्यालय का भ्रमण भी करवाया जायेगा। उक्त कार्यक्रम में विधायक अरूण भीमावद मुख्य अतिथि एवं जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विपुल कसेरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. एसके तिवारी करेंगे।

बैंक अनावश्यक रूप से आवेदन निरस्त न करें, पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ देना सुनिश्चित करें - कलेक्टर

सभी बैंक पीएम स्वनिधि के निरस्त आवेदन पुनः शुरू करें, बैंक हर शुक्रवार को पीएम स्वनिधि योजना के लिए निकालें विशेष समय

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋषुराज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, एलडीएम श्री प्रकाश केवलरमानी, सहायक महाप्रबंधक आरबीआई सुश्री पूर्वी श्रीवास्तव, मुख्य प्रबंधक अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय देवास श्री अजय अडसर, डीडीएम नाबार्ड ओजस्वी दीक्षित, सहित स्व रोजगार योजनाओं संबंधी विभागों के जिला अधिकारीगण एवं बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ऋषुराज सिंह ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत बैंकों द्वारा बड़ी संख्या में आवेदनों को निरस्त किए जाने पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर सिंह ने बैंकों को निर्देश दिए कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत पूर्व में निरस्त किए गए आवेदनों को पुनः ओपन किया जाए। आवेदनों में जो भी दस्तावेज संबंधी कमियां हैं, उन्हें समन्वय कर पूर्ण कराया जाए। किसी भी पात्र हितग्राही का आवेदन बिना किसी ठोस और वैध कारण के निरस्त नहीं किया जाएगा। ऐसा होने पर जवाबदेही तय की जाएगी।

कलेक्टर सिंह ने एलडीएम को निर्देश दिए कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत अब तक निरस्त किए गए सभी प्रकरणों की बैंकवार विस्तृत जानकारी तुरंत उपलब्ध कराई जाए। जिले की सभी बैंक शाखाएं हर शुक्रवार को पीएम स्वनिधि योजना के लिए विशेष समय निर्धारित कर कार्य करें, ताकि अधिकतम पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा सके। कलेक्टर ऋषुराज सिंह ने अधिकारियों और बैंकर्स को निर्देश दिये कि जनहित की योजनाओं में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार की मंशा हर जरूरतमंद को आत्मनिर्भर बनाने की है, बैंक सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर पात्र लोगों को ऋण वितरित करें।

कलेक्टर सिंह ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत नामांकन एवं क्लेम भुगतान की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फसल बीमा से संबंधित सभी लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण किया जाए, ताकि किसानों को समय पर राहत मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री श्रम मानधन योजना के तहत जिले के अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों व असंगठित क्षेत्र के नागरिकों को जोड़ने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ऋषुराज सिंह ने विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा रही ऋण वितरण योजनाओं की समीक्षा कर वित्तीय वर्ष के लक्ष्य को प्राप्त करने के निर्देश दिये। कलेक्टर सिंह ने स्व रोजगार योजनाओं में स्वीकृत और लम्बित प्रकरणों की समीक्षा कर सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ऋषुराज सिंह ने शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मुख्यमंत्री टंट्या मामा योजना, भगवान बिरसा मुंडा योजना, संत रविदास स्व रोजगार योजना, डॉ भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, मुख्यमंत्री विमुक्त, घुमंतू एवं अर्धघुमंतु स्वरोजगार योजना, पीएमएफएमई, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, पशु एवं मत्स्य पालन केसीसी, डॉ भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना की बिंदुवार समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे बैंकर्स के साथ निरंतर समन्वय बनाकर बैंकों में लंबित ऋण प्रकरणों को जल्द से जल्द स्वीकृत और वितरित कराएं।

बैठक के दौरान आरसेटी के अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि जिले में युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस वर्ष कुल 33 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें से अब तक 07 प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं। जिसपर कलेक्टर श्री सिंह ने शेष बचे प्रशिक्षणों को भी जल्द और गुणवत्तापूर्ण तरीके से आयोजित करने के निर्देश दिए।

इंस्टाग्राम पर की भड़काऊ पोस्ट, सुंदरसी पुलिस ने किया मामला दर्ज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की सुन्दरसी थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और भड़काऊ पोस्ट साझा करने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सदस्यों की शिकायत के बाद की गई है। आरोपी युवक सकराई निवासी तालिब शाह है। जानकारी के अनुसार 28 जून को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सुन्दरसी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया कि इंस्टाग्राम अकाउंट तालिब शाह 16.20 चलाने वाले तालिब शाह ने एक रील पोस्ट की थी। इस रील में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और प्रधानमंत्री के संबंध में कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया था। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि इस पोस्ट से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और सामाजिक सौहार्द तथा शांति भंग हो सकती है। पुलिस ने शिकायत को लोकल शिकायत रजिस्टर में दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शिकायत के साथ संबंधित इंस्टाग्राम पोस्ट की छायाप्रति और वीडियो रिकॉर्डिंग पेन ड्राइव में प्रस्तुत की गई थी। प्रथम दृष्टया पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 और 196(क) के तहत मामला दर्ज किया है। यह भी बताया गया है कि जिला दंडाधिकारी शाजापुर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी किए हैं। इन आदेशों में सोशल मीडिया पर किसी भी समुदाय की भावनाएं भड़काने या शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाली सामग्री पोस्ट या प्रसारित न करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने मामले में डिजिटल साक्ष्यों का परीक्षण शुरू कर दिया है। जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जाहरवीर गोगादेव महाराज के भव्य चल समारोह की तैयारियां शुरू

वाल्मीकि समाज छोटी पाती नई आबादी की बैठक सम्पन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जाहरवीर गोगादेव महाराज के विशाल चल समारोह को लेकर वाल्मीकि समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक नई आबादी, उज्जैन रोड स्थित गोरक्षनाथ मंदिर छोटी पाती में आयोजित की गई। बैठक में समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं ने सर्वसम्मति से रवि सांगते (भय्या), राष्ट्रीय अध्यक्ष गौ रक्षा प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय हिंदू युवा वाहिनी को आगामी विशाल चल समारोह हेतु छोटी पाती नई आबादी का अध्यक्ष नियुक्त किया।

बैठक में उपस्थित समाजजनों ने सहमति जताते हुए रवि सांगते को चल समारोह अध्यक्ष का दायित्व सौंपा तथा उनका पुष्पमालाओं से स्वागत किया। बैठक में श्रावण मास के दौरान आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों एवं जाहरवीर गोगादेव महाराज की पूजा-अर्चना को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने बताया कि 30 जुलाई से श्रावण मास प्रारंभ हो रहा है। इस दौरान जाहरवीर गोगादेव (गोगाजी महाराज) की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। सावन माह में श्रद्धालुओं द्वारा छड़ी (निशान) एवं ध्वज यात्रा निकाली जाती है तथा गुरु गोरखनाथ के आशीर्वाद से जन्मे इस लोक देवता के भजन-कीर्तन भी आयोजित किए जाते हैं। बैठक में मुख्य रूप से गोविंद बाउजी सांगते, सुखराम बाबूजी सांगते, अशोक उस्ताद सांगते, प्यारेलाल बंजारे, रामकिशन बंजारे, पटेल दौलतराम खत्री, मांगीलाल सांगते, कमल सांगते, मुकेश पेह सांगते, पटेल कैलाश सांगते, सतीश बंजारे, कार्यकारी अध्यक्ष वरिष्ठ प्रगतिशील पंचायत, सुदेश बंजारे, विनय सांगते (पार्षद), राकेश सांगते, श्याम दावरे, भगत नितिन पेह सांगते, भगत प्रविन खरे, अमित सांगते, संदीप सांगते, चंदन सांगते, मनीष सांगते, विकास बंजारे, विशाल सांगते, हेमराज सांगते, अमरराज सांगते (बाज पहलवान), विनोद सांगते, तिलक राज पेह सांगते, धीरज खत्री, राजू बंजारे, लक्खा खत्री, गोलू पहलवान सांगते, गणेश सांगते, सचिन सांगते, गोलू दावरे, सूरज सांगते, राज सांगते, बाबू पहलवान बंजारे, सचिन सांगते, बाबू सांगते, लक्की सांगते, अंकित खरे, हर्ष सांगते, विधान सांगते, हिमांशु सांगते, आयुष सांगते, उदय सारवान, ध्रुव खत्री, विनायक सांगते एवं काना खत्री सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। अंत में नवनियुक्त चल समारोह अध्यक्ष रवि सांगते (भय्या) ने वाल्मीकि समाज के सभी वरिष्ठजनों एवं समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का वे पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उक्त जानकारी लक्की सांगते, प्रदेश उपाध्यक्ष, नेशनल वॉलंटियर भाजपा गौ प्रकोष्ठ युवा मोर्चा ने दी।

मुख्य मार्ग पर ही हादसे को न्यौता दे रहा गोपाल गौशाला का रहा जर्जर भवन

कई लोग आज भी कर रहे निवास, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय नई सड़क पर करीब 150 वर्ष पुराना गोपाल गौशाला का दो मंजिला भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है। इस भवन को डिस्मेंटल करने के लिए कार्रवाई प्रारंभ की गई, लेकिन न्यायालय ने इस कार्रवाई को शासन द्वारा जवाब दिए जाने तक रोक दिया। ऐसे में जर्जर इस भवन के कुछ हिस्सों में अभी भी किराएदार रह रहे है। ऐसे में यदि जर्जर हो चुका भवन गिर गया और कोई बड़ी घटना हो गई तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? इसका जवाब किसी के पास नहीं है।

उल्लेखनीय है कि नगर के नई सड़क क्षेत्र में स्थित गोपाल गौशाला के जर्जर हो रहे भवन जर्जर हो रहा है। इसके लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा उक्त भवन की जांच कर करीब दो वर्ष पहले ही पूरी तरह जर्जर घोषित कर दिया गया था। वहीं उक्त भवन को डिस्मेंटल करने के लिए अपनी रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी जा चुकी थी। नगर पालिका के इंजीनियरों ने भी उक्त भवन की जांच कर जर्जर घोषित किया और किसी भी प्रकार की जनहानि होने के पहले उक्त भवन को ध्वस्त किए जाने की रिपोर्ट सौंपी थी। इस दो मंजिला भवन में भूतल पर दुकानों में किराएदार है। वहीं प्रथम तल पर रहवासी किराएदार है। दो वर्ष पूर्व करीब 150 वर्ष पुराने और पूरी तरह जर्जर हो चुके इस भवन को अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय द्वारा पीडब्ल्यूडी और नगर पालिका की रिपोर्ट पर गंभीरता को देखते हुए गौशाला के भवन के किराएदारों को दुकान व मकान रिक्त करने के लिए आदेश दिए थे। वहीं इसके बाद सितंबर 2024 को उक्त भवन के खाली भाग को गिराने की कार्रवाई भी की गई थी, लेकिन जो दुकान व मकान के किराएदार वर्तमान में अपनी जान की परवाह किए बगैर उक्त भवन में जमे हुए हैं। उनके द्वारा न्यायालय व्यवहार न्यायाधीश शाजापुर में वाद दायर किया गया था। इसमें शासन द्वारा जवाब दिए जाने तक न्यायालय द्वारा यथा स्थिति का आदेश दिया गया। वर्तमान में गौशाला की स्थिति भयावह दिखाई देती है। ऐसे में यह भवन कभी भी गंभीर हादसे का कारण बन सकता है। गौशाला भवन के कुछ किराएदार तो यहां से चले गए, लेकिन कुछ अभी-भी यहीं पर है। ऐसे में मुख्य मार्ग पर स्थित इस भवन में कभी कोई हादसा हो गया तो इसका जिम्मेदार कौन होगा।

बारिश में बढ़ सकती है परेशानी-मौसम विभाग ने आगामी कुछेक दिन में मानसून के आने की संभावना जताई है। ऐसे में जब बारिश होगी तो उक्त भवन के जर्जर होने के कारण ढहने की संभावना भी बढ़ जाएगी। क्योंकि भवन अधूरा टूटा होकर पूरी तरह जर्जर हो रहा है। ऐसे में यदि मुख्य मार्ग पर स्थित इस भवन का कोई हिस्सा भरभराकर ढह गया तो इससे काफी नुकसान हो सकता है।

इनका कहना है- पूरे नगर में ही एक-दो दिन में हमारी टीम द्वारा जर्जर भवनों का निरीक्षण कर संबंधित भवन मालिकों को नोटिस दिया जाएगा। गोपाल गौशाला के भवन का मामला न्यायालय में चल रहा था। उसकी जानकारी लेकर नोटिस जारी किया जाएगा। जर्जर भवनों को डिस्मेंटल की कार्रवाई की जाएगी। ताकि बारिश के समय किसी प्रकार का हादसा नहीं हो।

- प्रेम जैन, अध्यक्ष,
नगर पालिका-शाजापुर

बड़नगर में वीर हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। मेवाड़ा माली समाज ट्रस्ट, बड़नगर के तत्वावधान में जय स्तम्भ चौक स्थित मेवाड़ा माली समाज धर्मशाला परिसर में एक ऐतिहासिक धार्मिक एवं सामाजिक उत्सव संपन्न हुआ। समाज द्वारा पूर्व संचालित पारंपरिक अखाड़े को अब सर्वसुविधायुक्त भव्य डबल मंजिल (दो मंजिला) रूप में पुनर्निर्मित किया गया है। इस नवनिर्मित दो मंजिला अखाड़े और वीर हनुमान मंदिर का तीन दिवसीय ÷प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव÷ पूर्ण वैदिक रीति-रिवाज, शौर्य प्रदर्शन और अपार जन-उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है।

आयोजन की जानकारी देते हुए समाज के अध्यक्ष नारायण खट्टिया एवं कोषाध्यक्ष जगदीश धुसरिया सर ने बताया कि समाज की इस प्राचीन अखाड़ा परंपरा और युवाओं को खेल व सनातन संस्कृति से जोड़े रखने के उद्देश्य से ही इस अखाड़े को नया भव्य रूप देकर डबल मंजिल बनाया गया है, जो क्षेत्र के युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा।

तीन दिवसीय महोत्सव का संक्षिप्त विवरण- प्रथम दिन (25 जून)÷ ज्येष्ठ सुदी ग्यारस को प्रातः 10÷00 बजे से आचार्य गणों के सानिध्य में देव स्थापना एवं मंडल विधान के साथ तीन दिवसीय अनुष्ठान का भव्य शंखनाद हुआ।

द्वितीय दिन (26 जून)÷ ज्येष्ठ सुदी बारस को प्रातः 9 बजे से विशाल हवन-पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें समाज जनों ने आहुतियां देकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

तृतीय दिन (27 जून)÷ मुख्य दिवस ज्येष्ठ सुदी तेरस को दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में वीर हनुमान महाराज की प्रतिमा की भव्य प्राण प्रतिष्ठा व पूर्णाहुति की गई। इसके उपरांत सायं 6÷00 बजे से विशाल भंडारा प्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

शौर्य और व्यवस्थाओं का अनूठा संगम- अखाड़े को डबल मंजिल स्वरूप मिलने और इसके भव्य शुभारंभ के विशेष अवसर पर अखाड़ा पहलवान अमरचंद असावरा एवं पहलवान मांगीलाल खट्टिया के संयुक्त नेतृत्व में अखाड़े के जांबाज पहलवानों ने अपनी कला, दांव-पेच और शौर्य का हैरतअंगेज प्रदर्शन किया, जो पूरे महोत्सव में आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा।

पूरे आयोजन को सुचारू रूप से संपन्न कराने में ट्रस्टी जगन्नाथ खट्टिया (लाइनमैन) ने अद्वितीय प्रबंधकीय कौशल दिखाया। वहीं, समस्त नवयुवक मेवाड़ा माली समाज, बड़नगर के कर्मठ कार्यकर्ताओं ने दिन-रात अपनी निस्वार्थ सेवाएं देकर इस त्रिविध महोत्सव को ऐतिहासिक ऊंचाई प्रदान की।

इस गौरवमयी उपलब्धि और सफल आयोजन पर मेवाड़ा माली समाज ट्रस्ट की कार्यकारिणी ने सभी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोगियों, दानदाताओं, प्रबुद्ध जनों और पत्रकार बंधुओं का सहृदय आभार व्यक्त किया है।

बैरागी बने नगर मंत्री

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अभाविप उज्जैन ग्रामीण जिले की उन्हेल इकाई में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर चार सत्रों में संपन्न हुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के उज्जैन ग्रामीण भाग संयोजक मोहित गहलोत का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ तत्पश्चात सत्र 2026-27 की नवीन कार्यकारणी की घोषणा सर्वसम्मति से की गई, जिसमें पुनः निर्वाचित नगर अध्यक्ष प्रा. हितेश पाटिल व नगर मंत्री विशाल बैरागी को नियुक्त किया गया।

क्षत्रिय कलोता समाज युवा संगठन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष का देपालपुर नगर मे स्वागत किया

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देपालपुर में अखिल भारतीय क्षत्रिय कलोता समाज के राष्ट्रीय संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद दरबार के निज निवास पर पधारे युवा संगठन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष बहादुर सिंह जी गेहलोत का साफा बांधकर स्वागत एवं सम्मान किया एवं सभी समाज बंधुओ ने इस नियक्ति पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

दूसरे दिन भी बारिश की राह देखते रह गए नगरवासी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्री-मानसूनी बारिश से राहत पा रहे नगरवासी फिर उमस व गर्मी से बेहाल हो रहे हैं। न रविवार को बारिश हुई और सोमवार को भी आसमान पर छाए काले बादल बिन बरसे लौट गए। जिसके चलते नगरवासी दिनभर तपते रहे। दरअसल इन दिनों नगर में प्री-मानसूनी बारिश हो रही है। इस दौरान दिन में गर्मी और शाम को बारिश का मौसम बन रहा है। दो दिन पहले नगर में तेज बारिश हुई थी। जिसके बाद से मौसम साफ है। रविवार को भी नगरवासी गर्मी से परेशान हो रहे थे तो सोमवार को भी मौसम का यही हाल रहा। हालांकि इस दौरान कुछ देर के लिए आसमान पर बादल जरूर छाए थे और उम्मीद थी कि बारिश होगी और गर्मी से राहत मिलेगी। लेकिन बादल बिन बरसे लौट गए और आसमान साफ हो गया जिसके बाद तेज धूप खिलने से लोगों का गर्मी से बुरा हाल हो गया। यही नहीं शाम को उमस ने लोगों का बुरा हाल कर दिया। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि सोमवार को भी नगर में बारिश की संभावना थी, लेकिन सिस्टम एक्टिव नहीं हुआ और बादल लौट गए। हालांकि सोमवार शाम को या देर रात को बारिश हो सकती है। उन्होंने बताया कि 2 जुलाई तक जिले में इसी तरह का मौसम बना रहेगा और 4 जुलाई से मानसूनी गतिविधियां और अधिक सक्रिय होने की संभावना है, जिससे जिले में झमाझम बारिश का दौर शुरू होगा और अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी।

गर्मी से बचने के करते रहे जतन- सोमवार को नगर का अधिकतम तापमान 35.5 और न्यूनतम 25.4 डिग्री दर्ज किया गया। इस दिन दोपहर में तेज धूप खिलने से लोगों का गर्मी से बुरा हाल हो गया और लोग गर्मी से बचने के जतन करते नजर आए। मौसम विशेषज्ञ श्री धनोतिया ने बताया कि सोमवार रात को भी बारिश की संभावना बनी हुई है।

रतलाम में श्रमजीवी पत्रकार संघ का संभागीय सम्मेलन सम्पन्न, समाज को बदलने की असली ताकत ग्रामीण पत्रकारों में- शलभ भदौरिया

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का संभागीय सम्मेलन रविवार को रतलाम में गरिमामय माहौल में सम्पन्न हुआ। समारोह में संघ के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में पूर्व गृह मंत्री हिम्मत कोठारी, महापौर प्रहलाद पटेल, डीआरएम अश्वनी कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, निगम सभापति मनीषा शर्मा और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। रतलाम जिला इकाई के अध्यक्ष राजेश जैन ने स्वागत भाषण दिया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया ने कहा कि हमें विचार करना होगा कि आखिर समाज हमारे पक्ष में क्यों खड़ा नहीं होता। आज के दौर में पत्रकारों पर हमले क्यों बढ़ रहे हैं। क्या पत्रकारों की कलम पहले से ज्यादा तेज हो गई है या हमने वाकई समाज को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि जिस दिन पत्रकार अंतिम छोर के व्यक्ति के पक्ष में कलम चलाना शुरू कर देगा, पुराना सम्मान वापस लौट आएगा।

शलभ भदौरिया ने संगठन को लेकर कहा कि मैं कई सालों से संगठन अध्यक्ष का पद छोड़ना चाह रहा हूं पर कोई आगे नहीं आ रहा है। फिर भी मैं घिसट घिसट कर भी संगठन का काम करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि समाज को बदलने की असली ताकत ग्रामीण पत्रकारों में है।

इस मौके पर रतलाम, नीमच और मंदसौर जिलों के पत्रकारों ने प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया का भव्य स्वागत किया। महापौर प्रहलाद पटेल ने कहा कि पत्रकार अपनी कलम से समाज को आईना दिखाने का काम करते हैं। कई बार तो पुलिस से पहले पत्रकार मौके पर पहुंचते हैं। डीआरएम अश्वनी कुमार ने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकार ही नीतियों को लागू करवाने का काम करते हैं। उन्होंने आग्रह किया कि तस्वीर जैसी है वैसी ही पेश की जाए।

एसपी अमित कुमार ने कहा कि पत्रकारों ने अपनी लेखनी से हमें हमारी जिम्मेदारी दिखाई है। जब सब एक होते हैं तो लेखनी में ताकत होती है। पूर्व गृह मंत्री हिम्मत कोठारी ने कहा कि देश की आजादी में पत्रकारों का बड़ा योगदान रहा है। उस दौर के पत्रकारों ने निर्भयता से कलम चलाई थी।

वरिष्ठ पत्रकार शरद जोशी ने कोरोना काल में बंद की गई सुविधाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने श्रद्धा निधि से लेकर स्वास्थ्य सुविधाओं तक की बात रखी और कहा कि तहसील स्तर पर आज भी स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी है।

सम्मेलन में विकास प्राधिकरण अध्यक्ष मनोहर पोरवाल, निगम अध्यक्ष मनीषा शर्मा, नीमच जिला अध्यक्ष प्रदीप जैन, मंदसौर जिला अध्यक्ष हेमंत जैन,उज्जैन संभाग अध्यक्ष मनोज जैन, संभागीय महासचिव राजेंद्र अग्रवाल,छतरपुर संभाग महासचिव प्रतीक खरे, डॉ नरेंद्र सिंह राजावत, भेरूलाल टांक, राजेंद्र राठौर, सहित कई वक्ताओं ने विचार रखे।

कार्यक्रम में राजेश जैन को रतलाम संभागीय अध्यक्ष, चेनसिंह सोलंकी नीमच को महासचिव और विजय मीणा को रतलाम जिला अध्यक्ष घोषित किया गया तथा दिनेश दबे जिला महासचिव रहेंगे ।इस दौरान कई वरिष्ठ पत्रकारों को शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बड़नगर आगमन पर अभिनंदन पत्र भेंट कर किया स्वागत

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री दिग्विजय सिंह के उज्जैन से बड़नगर आगमन पर कैसूर पीरझलार फन्टे सांवरिया चौपाटी पर कांग्रेस नेता प्रेमचंद त्रिवेदी द्वितीय एवं जिला कांग्रेस के महासचिव गोपाल चौधरी तथा जिला कांग्रेस के सचिव यूनूस भाई नेता ने सूत की माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रेमचंद त्रिवेदी एवं गोपाल चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को अभिनंदन पत्र के अलावा संविधान की रक्षा के लिए एक मोमेंटो तथा शाल दुपट्टा पहना कर अभिनंदन किया ।इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विधायक महेश परमार महिदपुर विधायक दिनेश जैन बोस ,पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह सिसोदिया भी मौजूद थे ।अभिनंदन के मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता सतीश तलेसरा, सेवादल के भरत चौधरी ,बहादुर बिसाहेड़ा ,बापू सिंह आजंदा, उस्मान पटेल याकूब भाई पेंटर उमरिया ,अश्विन त्रिवेदी ,गब्बर भाई ,भंवर लाल चौहान ,राहुल त्रिवेदी , टीकम सिंह, हनीफ भाई ,यूनस हाजी आदि ने दिग्विजय सिंह का सूत की माला पहनकर स्वागत किया ।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा सह अंतर्विभागीय समन्वय बैठक सम्पन्न

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में समय-सीमा सह अंतर्विभागीय समन्वय की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व,शिक्षा,स्वास्थ,उर्वरक वितरण,श्रम, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला, संयुक्त कलेक्टर श्री रवि वर्मा सहित विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

बैठक में दिए गए मुख्य निर्देश-

1.बैठक में कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कार्यों के अंतर्गत आरसीएमएस पोर्टल पर नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन के प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि नामांतरण, बँटवारा, सीमांकन, रास्ता विवाद और अतिक्रमण इत्यादि के लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाए, जिसकी समीक्षा आगामी राजस्व अधिकारियों की बैठक में की जाएगी। बैठक में फार्मर आईडी बनाने एवं गिरदावरी के रकबे के सत्यापन के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही, मानसून की गतिविधियों को देखते हुए राजस्व अमले को फील्ड पर जाकर मुस्तैदी से कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया।

2.कृषि, सहकारिता एवं मार्कफेड विभाग के अधिकारियों से जिले में उर्वरक के वर्तमान स्टॉक और उसके सुचारू वितरण की व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई।बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसानों को संतुलित खाद उपयोग के लिए जागरूक किया जाए और उन्हें निर्धारित व अनुमत्य मात्रा में ही खाद का वितरण सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही, सहकारिता का दायरा बढ़ाने के लिए सहकारिता विभाग को समितियों में नए सदस्य बनाने के निर्देश दिए गए।

3.बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय किश्त की स्वीकृति तथा लंबित जियो-टैगिंग की स्थिति की समीक्षा की गई। लक्ष्य के अनुपात में कम प्रगति वाले ब्लॉकों पर नाराजगी जताई गई। संबंधित जनपद सीईओ को निर्देशित किया गया है कि वे लंबित प्रकरणों को त्वरित निपटाएं और निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करें।

50 वर्ष की उम्र के होमगार्ड सैनिकों को दे रहे तैराकी का प्रशिक्षण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। होमगार्ड नागरिक सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन म.प्र एवं महानिदेशक ऋचा श्रीवास्तव व कलेक्टर एवं जिला आपदा प्रबंधन अध्यक्ष ऋजु बाफना के निर्देशानुसार मानसून को देखते हुए जिले में 50 वर्ष तक की उम्र तक के होमगार्ड सैनिकों को बाढ़ आपदा डियुटी में कार्य करने के लिए प्रशिक्षित एवं दक्ष बनाने के लिए तैराकी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट विक्रमसिंह मालवीय के मार्गदर्शन में 29 जून से 05 जुलाई तक एक सप्ताह का तैराकी प्रशिक्षण प्लाटून कमाण्डर नम्रता सरावत एवं टीम द्वारा चीलर डेम शाजापुर पर चलाया जा रहा हैं। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य मानसून के दौरान संभावित बाढ़ की स्थिति में जान-माल की सुरक्षा हेतु होमगार्ड जवानों को दक्ष एवं आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षण में आपदा प्रबंधन की प्रमुख जानकारियां प्रदान करना, बाढ़ पूर्व तैयारियां करवाना, चेतावनी तंत्र एवं राहत कार्य मे दक्षता, खोज एवं बचाव कार्य मे निपुर्णता, नाव संचालन, ओबीएम मोटर बोट चलाना, डूबते व्यक्ति को बचाना, रस्सी-गांठ बांधना, प्राथमिक चिकित्सा के तहत कृत्रिम श्वास, घायलों को प्राथमिक उपचार एवं स्ट्रेचर का प्रयोग, राहत शिविर प्रबंधन अस्थायी शिविर लगाना, भोजन-पानी वितरण एवं भीड़ नियंत्रण, आधुनिक उपकरणों का प्रशिक्षण लाइफ जैकेट, लाइफ बॉय, इंफ्लेटेबल बोट एवं संचार उपकरणों का उपयोग करना तथा प्रतिदिन दोपहर पश्चात् मोतीसागर तालाब के तट पर बाढ़ की वास्तविक स्थिति का अभ्यास कराया जाएगा। प्रशिक्षण के पहले दिन प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न एक्सरसाईज कराई गई। सुबह के समय में अण्डर वाटर रेस्क्यू की मैथर्डस का प्रशिक्षण चीलर डेम पर चल रहा है। आगामी मानसून को दृष्टिगत रखते हुए बाढ़ आपदा प्रबंधन के लिए जिले में विभिन्न डीआरसी, क्यूआरटी एवं ईओसी स्थापित कि गई है, जिसमें सम्मिलित किये जवानों को रेस्क्यू के दौरान विक्टीम को सीपीआर देना, कैरी मेथड, प्राथमिक उपचार देना, तथा रेस्क्यू में उपयोग होने वाले उपकरणों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही कर दुर्घटना के समय लोगों को बिना जान-माल की हानि के बचाया जा सके।

स्थायी वारंटी को किया गिरफ्तार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बेरछा पुलिस ने एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया है। उक्त आरोपी एनडीपीएस एक्ट के मामले में फरार था। जिसे पकड़ने के लिए पुलिस के प्रयास सफल हुए। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया।

एनडीपीएस प्रकरणों में स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत एसपी यशपालसिंह राजपूत, एएसपी घनश्याम मालवीय तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बेरछा डॉ.नागेन्द्रप्रताप सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक भरतसिंह किरार द्वारा स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु एक विशेष टीम गठित की गई थी। गठित टीम द्वारा सोमवार को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए थाना बेरछा का एनडीपीएस के प्रकरण में लंबे समय से फरार चल रहा स्थायी वारंटी जाकिर पिता मजीद खां (47) निवासी भुमडिया कालोनी बेरछा को गिरफ्तार किया गया। जिसे गिरफ्तारी के पश्चात उसे नियमानुसार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी भरतसिंह किरार, उनि मेहरबानसिंह चौहान, आरक्षक अरुण सितपरा, आरक्षक दीपक साहु, आरक्षक कुमेरसिंह यादव, आरक्षक चालक शेलेन्द्र तोमर की सराहनीय भूमिका रही।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नीमच सोलर पार्क एवं ग्रीनको परियोजना का एरियल सर्वे किया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को नीमच के 500 मेगावाट सोलर पार्क एवं ग्राम खिमला में निर्माणाधीन ग्रीनको पम्प स्टोरेज परियोजना का एरियल सर्वे किया। सर्वे के बाद मुख्यमंत्री को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से परियोजना की प्रगति, तकनीकी विशेषताओं एवं ऊर्जा उत्पादन क्षमता की विस्तृत जानकारी दी गई।

ग्रीनको ग्रुप द्वारा लगभग 11,470 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जा रही 1920 मेगावाट क्षमता की गांधीसागर पम्प स्टोरेज परियोजना देश की अपनी तरह की सबसे बड़ी परियोजनाओं में शामिल है। इस परियोजना की ऊर्जा भंडारण क्षमता 10,326 मेगावाट प्रति घंटा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसे मध्यप्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे प्रदेश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।

परियोजना के तहत गांधीसागर के मौजूदा जलाशय तथा खिमला में निर्मित किए जा रहे ऊपरी जलाशय का उपयोग पम्प स्टोरेज तकनीक से बिजली उत्पादन के लिए किया जाएगा। इस प्रक्रिया में पानी का पुनः उपयोग होगा तथा वाष्पीकरण से होने वाली न्यूनतम हानि को छोड़कर अतिरिक्त जल की आवश्यकता नहीं होगी। परियोजना में 240 मेगावाट की 7 तथा 120 मेगावाट की 2 द्वि-दिशात्मक टर्बाइन इकाइयां स्थापित की जा रही हैं।

खिमला परियोजना के निर्माण कार्य में वर्तमान में प्रतिदिन तीन हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। इसके पूर्ण होने पर क्षेत्र में औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को नई गति मिलेगी।

इस अवसर पर नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री श्री प्रहलाद जोशी, मध्यप्रदेश शासन के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, ग्रीनको के सीईओ श्री मौर्या, सांसद श्री सुधीर गुप्ता, ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव, विधायक श्री माधव मारू तथा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला मोर्चा की नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मनोरमा सोलंकी का भाजपा कार्यालय में भव्य स्वागत, संभाला पदभार

संगठन को मजबूत बनाने और महिला नेतृत्व को नई ऊर्जा देने पर हुई चर्चा, भाजपा नेताओं ने दी शुभकामनाएं

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, देवास में मंगलवार को भाजपा महिला मोर्चा की नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मनोरमा सोलंकी के पदभार ग्रहण समारोह एवं स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं भाजपा जिला अध्यक्ष व विधायक पवार ने नवीन दायित्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करने वाली पार्टी है। संगठन ने मनोरमा सोलंकी को जो महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है, उसे वे पूर्ण निष्ठा, समर्पण और कार्यकर्ताओं के सहयोग से सफलतापूर्वक निभाएंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महिला मोर्चा उनके नेतृत्व में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेगा। विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार ने कहा कि महिला शक्ति भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। मनोरमा सोलंकी के नेतृत्व में महिला मोर्चा जनसेवा, संगठन विस्तार और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्त नेतृत्व से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और पार्टी और अधिक मजबूत होगी। इस अवसर पर महिला मोर्चा की जिला बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, महिला नेतृत्व को नई दिशा देने तथा जनसेवा के संकल्प को लेकर सार्थक चर्चा हुई। सभी नेताओं ने मनोरमा सोलंकी को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे संगठन द्वारा दिए गए दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगी। कार्यक्रम में देवास विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार, महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष बहादुर मुकाती, राजीव खंडेलवाल, जिला महामंत्री राजेश यादव, विजय सिंह पंवार, सभापति रवि जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष लीला अटारिया, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमोद डोंगलिया, महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष राखी झालानी, विजय सिंह पंवार, ओम जोशी, मंडल अध्यक्ष मधु शर्मा, पुष्पलता सोनगरा, निर्मला कारपेंटर, रेखा शर्मा, पूर्व जिला मंत्री विनीता व्यास सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की मातृशक्तियां एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन श्रीमती रुचि बर्डे ने किया व आभार महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष मनोरमा सोलंकी ने माना। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

NAME CHANGE

I Tasneem Akber Ali Kanchwala hereby Declare that I have changed my name As **Tasneem Kanchwala W/O Akber Ali Kanchwala** so from now and in future I will be known by my new name **Tasneem Kanchwala W/O Akber Ali Kanchwala.**

Add: H. No. 306, Golmandi Bohra Bakhal Quamri Marg Ujjain M.P. Pin Code. 456006

आज 1266 करोड़ के पेप्सिको प्लांट का लोकार्पण करेंगे सीएम

विक्रम उद्योगपुरी में 22 एकड़ में स्थापित अत्याधुनिक फ्लेवर निर्माण इकाई होगी शुरू -35 उद्योगों में शुरू होगा उत्पादन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आज मंगलवार को मुख्यमंत्री उज्जैन-देवास रोड स्थित विक्रम उद्योगपुरी में 1266 करोड़ रुपए की लागत से तैयार पेप्सिको के अत्याधुनिक फ्लेवर प्लांट का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही कई अन्य औद्योगिक इकाइयों का उद्घाटन तथा नई परियोजनाओं का भूमि पूजन भी किया जाएगा।

करीब 22 एकड़ क्षेत्र में स्थापित पेप्सिको का यह अत्याधुनिक प्लांट भारत में कंपनी की दूसरी फ्लेवर निर्माण इकाई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह पेप्सिको की नौवीं ऐसी यूनिट मानी जा रही है। इस परियोजना से उज्जैन को राष्ट्रीय औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान मिलने के साथ-साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे।

1000 युवाओं को मिलेगा रोजगार- प्लांट के संचालन से क्षेत्र के लगभग 800 से 1000 युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। इसके अलावा परिवहन, पैकेजिंग, लॉजिस्टिक्स, सप्लाई और अन्य सहायक गतिविधियों के माध्यम से बड़ी संख्या में अप्रत्यक्ष रोजगार भी सृजित होंगे। इससे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

35 उद्योगों में शुरू होगा उत्पादन- मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान जिन औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण किया जाएगा, उनके शुरू होने के बाद विक्रम उद्योगपुरी में उत्पादन करने वाली इकाइयों की संख्या बढ़कर करीब 35 हो जाएगी। इन उद्योगों के माध्यम से अब तक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 15 से 20 हजार लोगों को रोजगार मिल चुका है।

773 एकड़ में विकसित हुआ औद्योगिक शहर- दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) परियोजना के तहत ग्राम नरवर में लगभग 350 करोड़ रुपए की लागत से 773 एकड़ क्षेत्र में विक्रम उद्योगपुरी विकसित की गई है। यहां सभी औद्योगिक भूखंड आवंटित हो चुके हैं और कई प्रतिष्ठित कंपनियां उत्पादन शुरू कर चुकी हैं।

देश की बड़ी कंपनियों ने किया निवेश- विक्रम उद्योगपुरी में पेप्सिको के अलावा अमूल इंडिया, वोल्वो-आयशर, फेना, सुधाकर पाइप्स, मायराज पाइप्स, सीपी पेंट्स और इस्कॉन बालाजी जैसी कई प्रमुख कंपनियां अपनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित कर चुकी हैं। लगातार हो रहे निवेश और नई इकाइयों के संचालन से उज्जैन प्रदेश के तेजी से उभरते औद्योगिक हब के रूप में अपनी मजबूत पहचान स्थापित कर रहा है।

मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम के निदेशक राजेश राठौड़ के अनुसार कार्यक्रम में लोकार्पण के साथ कई नई औद्योगिक परियोजनाओं का भूमि पूजन भी किया जाएगा, जिससे आने वाले समय में उद्योग और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

सिंहस्थ-2028 से पहले प्रमुख मंदिरों का होगा कायाकल्प

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 से पहले उज्जैन के प्रमुख धार्मिक स्थलों का कायाकल्प किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर मंदिरों के विस्तारीकरण और सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। रविवार को संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने इसकी समीक्षा कर अधिकारियों को जल्द निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। बैठक में कालभैरव, अंगारेश्वर, मंगलनाथ, सिद्धवट, सांदीपनि आश्रम, श्री भूखीमाता, श्री नवग्रह शनि मंदिर सहित पीएम एकता मॉल क्षेत्र के विकास प्रस्तावों पर चर्चा हुई। योजना के तहत मंदिर परिसरों का विस्तार, सुगम दर्शन व्यवस्था, पार्किंग, फैसिलिटी सेंटर, सुरक्षा व्यवस्था और पर्यावरण के अनुरूप निर्माण कार्य किए जाएंगे। संभागायुक्त ने कहा कि सिंहस्थ-2028 में करोड़ों श्रद्धालु उज्जैन आएंगे। ऐसे में मंदिरों में दर्शन व्यवस्था और सुविधाओं को विश्वस्तरीय बनाया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर आध्यात्मिक अनुभव मिल सके। उन्होंने तैयार कार्ययोजना के अनुसार सभी औपचारिकताएं जल्द पूरी कर विकास कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। बैठक में उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी ने प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी दी। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक, स्मार्ट सिटी सीईओ संदीप शिवा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

चेकिंग में सहयोग नही करने पर जप्त किया ऑटो

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस द्वारा शहर में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने तथा आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगातार कार्रवाई की जा रही है। यातायात पुलिस द्वारा एक ऐसे ऑटो चालक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई, जिसने यातायात नियमों का उल्लंघन करने के साथ चेकिंग के दौरान पुलिस कार्रवाई में सहयोग नहीं किया।

जांच के दौरान पाया गया कि संबंधित ऑटो चालक शादाब पिता अकरम पठान, उम्र 25 वर्ष, निवासी सम्राट नगर, आगर रोड, उज्जैन द्वारा संचालित ऑटो वाहन के आवश्यक दस्तावेज, जिनमें वाहन से संबंधित वैधानिक कागजात सम्मिलित हैं, निर्धारित अवधि से समाप्त हो चुके थे। दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहने पर चालक द्वारा पुलिस कार्रवाई में अपेक्षित सहयोग नहीं किया गया, जिसके चलते नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस द्वारा तत्काल वैधानिक कार्रवाई करते हुए संबंधित ऑटो वाहन को जप्त किया गया तथा प्रचलित मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत न्यायालयीन चालान प्रस्तुत किया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध बिना किसी भेदभाव के कठोर कार्रवाई की जाएगी। यातायात डीएसपी दिलीप सिंह परिहार ने बताया कि पुलिस आम नागरिकों, विशेषकर यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। ऐसे ऑटो चालक जो बिना वैध दस्तावेजों के वाहन संचालित करते हैं अथवा चेकिंग के दौरान पुलिस कार्रवाई में सहयोग नहीं करते, उनके विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस नेता पर किसानों को पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप

महिदपुर में जमीन विवाद ने लिया खतरनाक मोड़, वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने दर्ज किया केस, नेता बोले- भाजपा की साजिश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिदपुर क्षेत्र में जमीन विवाद के बीच उस समय सनसनी फैल गई, जब मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सदस्य और जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि प्रताप सिंह गुर पर किसानों को लाइसेंसी पिस्टल तानकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं प्रताप सिंह गुर ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक साजिश बताया है।

पुलिस के अनुसार फरियादी गोविंद सेन निवासी ग्राम डेलचीबुजुर्ग ने शिकायत दर्ज कराई कि 18 जून की शाम करीब साढ़े छह बजे वह अपने खेत पर रखे भूसे (सुफले) को भरने पहुंचे थे। इसी दौरान प्रताप सिंह गुर अपने दो साथियों के साथ जेसीबी लेकर वहां पहुंचे और खेत के पास खाई खुदवाने लगे। शिकायत के मुताबिक जब गोविंद सेन और उनके भाई ने खाई खोदने का विरोध किया तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इस दौरान गाली-गलौज शुरू हो गई। सूचना मिलने पर गोविंद के पिता दिनेश सेन सहित परिवार के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंच गए और समझाइश देने का प्रयास किया।

यहां से चले जाओ, नहीं तो जान से खत्म कर दूंगा- शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विवाद के दौरान प्रताप सिंह गुर ने कमर से अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकाली, किसानों की ओर तानते हुए कहा, जेसीबी तो यहीं चलेगी... यहां से चले जाओ, नहीं तो जान से खत्म कर दूंगा। इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

वीडियो वायरल होते ही हरकत में आई पुलिस- घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला तूल पकड़ गया। वायरल वीडियो में प्रताप सिंह गुर हाथ में पिस्टल लिए दिखाई दे रहे हैं और वीडियो बना रहे व्यक्ति का मोबाइल हटाने की कोशिश भी करते नजर आते हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नेता का पलटवार- मेरे खिलाफ रची गई साजिश- दूसरी ओर प्रताप सिंह गुर ने खुद पर लगे सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि जमीन की नपती के लिए उन्होंने दो बार इंतजार किया था, लेकिन उनकी जमीन पर अवैध रूप से एंगल गाड़ दिए गए थे। उन्हें हटाने के लिए ही जेसीबी बुलाई गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि दिनेश सेन और उनके परिजनों ने ही उनके साथ विवाद और अभद्रता की। प्रताप सिंह गुर का दावा है कि भाजपा नेताओं के इशारे पर राजनीतिक साजिश के तहत उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो, शिकायत और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कैमरो की मदद से आरपीएफ-जीआरपी में पकड़ा मोबाईल चोर

उज्जैन। रेलवे यात्री के साथ बुकिंग विंडो के पास हुई मोबाइल चोरी की वारदात में शामिल बदमाश को आरपीएफ और जीआरपी की टीम ने कैमरों के फुटेज देख कर घेराबंदी के बाद पकड़ लिया बदमाश से चोरी के 2 मोबाइल बरामद किये गये है। जीआरपी थाना प्रभारी अमित कुमार भावसार ने बताया कि गुजरात का रहने वाला महेश भाई उज्जैन आया था। वापस लौटने के लिये ट्रेन पकड़ने के लिये स्टेशन पहुंचा था। ट्रेन आने में समय होने पर मुसाफिर खाना के पास बुकिंग विंडो के पास विश्राम के लिये लेट गया। आंख लगने पर अज्ञात बदमाश ने जेब से मोबाइल निकाला और भाग निकला। 24 हजार कीमत का सेमसंग मोबाइल चोरी होने की शिकायत उसके द्वारा जीआरपी से की। बदमाश का पता लगाने के लिये आरपीएफ निरीक्षक नरेन्द्र यादव का सहयोग लिया गया और कैमरों के फुटेज देखना शुरू किये। जिसमें संदिग्ध दिखाई दिया, जिसकी घेराबंदी शुरू की गई। बदमाश दूसरी वारदात करने की फिराक में नागदा दिशा के रेलवे आउटर पर घूम रहा था। जीआरपी की टीम ने उसे घेराबंदी कर दबोच लिया। उसके पास से चोरी का सेमसंग मोबाइल बरामद किया गया। वहीं एक अन्य मोबाइल रेडमी कंपनी 12 हजार का भी जप्त हुआ। जो कुछ दिन पहले स्टेशन से चोरी किया जाना सामने आया। आरोपी को थाने लाया गया और पूछताछ की गई। बदमाश आगर मालवा के सुसनेर थाना क्षेत्र स्थित श्यामपुरा का रहने वाला विक्रमसिंह 30 साल सामने आया। जिसके खिलाफ पूर्व में मारपीट और छेड़छाड़ के मामले दर्ज है। थाना प्रभारी भावसार के अनुसार आरोपी नशे का आदी है और लत पूरी करने के लिये रेलवे प्लेटफार्म पर यात्रियों के मोबाइल चोरी कर रहा था।

हरिफाटक ओवरब्रिज के नीचे फूटी मेन पाइपलाइन, आधे शहर की जलापूर्ति ठप

ब्रिज निर्माण के दौरान पोकलेन मशीन ने तोड़ी गऊघाट संयंत्र की पाइपलाइन- निगम ने निर्माण एजेंसी को नोटिस और पेनल्टी की तैयारी की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विभागों के बीच समन्वय की कमी का खामियाजा सोमवार को एक बार फिर शहरवासियों को भुगतना पड़ा। हरिफाटक ओवरब्रिज के नीचे नए ब्रिज के निर्माण के दौरान पोकलेन ड्रिलिंग मशीन से गऊघाट जलशोधन संयंत्र की मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इससे शहर के कई हिस्सों में जलापूर्ति पूरी तरह प्रभावित रही, जबकि कुछ क्षेत्रों में लोगों के घरों तक गंदा और मटमैला पानी पहुंचा।

जानकारी के अनुसार सोमवार तड़के ब्रिज निर्माण के लिए ड्रिलिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान पोकलेन मशीन मुख्य पाइपलाइन से टकरा गई, जिससे लाइन फूट गई। घटना के समय जलापूर्ति जारी थी, इसलिए लाखों लीटर पानी बह गया और कई इलाकों में सप्लाई बाधित हो गई। सबसे अधिक परेशानी नीलगंगा, चकोर पार्क, जयसिंहपुरा, हरसिद्धि पाल, कहारवाड़ी, गुदरी चौराहा, डाबरी पीठा और गोपाल मंदिर क्षेत्र के रहवासियों को हुई, जहां पानी नहीं पहुंच सका। वहीं फ्रीगंज के वार्ड-47 में लोगों को मटमैला और गंदा पानी मिला। सुदामा नगर, देवासगेट और क्षीरसागर क्षेत्र से भी जलापूर्ति नहीं होने की शिकायतें सामने आईं। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि निर्माण एजेंसियों को पहले ही पाइपलाइन और सीवरेज नेटवर्क की ड्राइंग उपलब्ध करा दी गई थी। खुदाई के दौरान पीएचई विभाग के इंजीनियरों की मौके पर मौजूदगी भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इनका पालन नहीं होने से बार-बार पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो रही है।

जलकार्य समिति के प्रभारी प्रकाश शर्मा ने कहा कि निर्माण एजेंसियां समन्वय के साथ काम नहीं कर रही हैं। ड्राइंग उपलब्ध होने और इंजीनियरों की ड्यूटी लगाए जाने के बावजूद लापरवाही बरती जा रही है, जिससे शहर की जलापूर्ति बार-बार प्रभावित हो रही है।

नगर निगम के अपर आयुक्त पवनकुमार सिंह ने बताया कि हरिफाटक ओवरब्रिज के नीचे मेन पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से जलापूर्ति प्रभावित हुई है। संबंधित निर्माण एजेंसी को नोटिस जारी किया जा रहा है और उसके खिलाफ आर्थिक दंड की कार्रवाई भी की जाएगी।

केंद्रीय जेल में तनाव प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा नई दिल्ली की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत जागरूकता एवं साक्षरता अभियान के लिए एवं माननीय म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार केन्द्रीय जेल भैरूगढ़ उज्जैन में गत दिनों को तनाव प्रबंधन विषय के अंतर्गत जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

जागरूकता शिविर में केन्द्रीय जेल भैरूगढ़ की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। शिविर में श्रीमान वजेन्द्र कृष्ण दास (वैभव गुप्ता) सह-अध्यक्ष इस्कॉन मंदिर उज्जैन के द्वारा जागरूकता शिविर में उपस्थित हुए केन्द्रीय जेल भैरूगढ़ के निरूद्ध बंदियों को तनाव प्रबंधन विषय पर जागरूक किया गया। श्रीमान वजेन्द्र कृष्ण दास द्वारा कहा गया कि आज के समय में तनाव सभी के पास है।

हमें तनाव को कम करने के उपाय ढूंढने चाहिए। तनाव को यदि खत्म नहीं किया जा सकता तो कम तो किया ही जा सकता है। जीवन यदि तनाव मुक्त होगा तभी व्यक्ति अपना कार्य अच्छे से कर पायेगा। इस अवसर पर न्यायाधीश / सचिव श्री मनोज कुमार भाटी द्वारा जेल में निरूद्ध बंदियों को नशे के दुष्परिणाम के बारे में बताते हुए कहा गया कि नशा एक बुरी लत है मादक पदार्थों के सेवा से व्यक्ति का परिवार बिखर जाता है। इससे दूरी बनाये रखने में ही हमारी भलाई है। तनाव प्रबंधन हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विभिन्न आयोजन पर कार्यकम किये है तथा कैदियो के हित के लिए आवश्यक कदम उठाये जाते है।

जागरूकता शिविर में एनडीपीएस विषय की विशेषज्ञ प्रोफेसर एवं लेखक श्रीमती अभिलाषा शर्मा ने भी सभी का अभिनंदन करते हुए नशे के दुष्परिणाम के बारे में बताया। विधिक जागरूकता शिविर में श्री ब्रजेन्द्र कृष्ण दास (वैभव गुप्ता) सह अध्यक्ष इस्कॉन मंदिर उज्जैन के द्वारा जेल में निरूद्ध बंदियों को उनकी स्वैच्छानुसार ध्यान बचाव करने जप माला का वितरण किया जिससे कि वे तनाव मुक्त रह सके।

कार्यकम में अन्य अतिथि श्रीमती सारिका भाटी व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड द्वारा तनाव मुक्ति एवं नशा मुक्ति पर अपने विचार प्रकट किये।

बीड़ी नहीं देने पर तलवार से युवक की हत्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बिरलाग्राम में तलवार से सीने पर हमला कर युवक की हत्या कर दी गई। शराब पीने के बाद बीड़ी मांगने पर विवाद हुआ था। पुलिस ने कुछ देर बाद ही आरोपी को हिरासत में ले लिया।

बिरलाग्राम थाना प्रभारी जितेन्द्र पाटीदार ने बताया कि शाम को खबर मिली कि ई ब्लॉक टापरी नाले के पास युवक की तलवार से हमला कर हत्या कर दी गई। उसके सीने पर वार किये गये है। पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पहुंची। जांच के दौरान सामने आया कि मृतक जयप्रकाश उर्फ टक्कू पिता राकेश परिहार 19 साल ई ब्लॉक बिरलाग्राम का रहने वाला है। हत्या वहीं के रहने वाले मोहनलाल पिता अंबाराम ढोली 55 साल ने की है। घटनास्थल पर जांच के बाद मृतक की बॉडी पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजी गई। मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया और आरोपी की तलाश शुरू की गई। कुछ देर बाद ही आरोपी को राउंड अप कर लिया गया। जिससे पूछताछ में पता चला कि दोनों ने पहले साथ में बैठकर शराब पी थी, मोहनलाल ने बीड़ी मांगी, लेकिन जयप्रकाश ने मना कर दिया। दोनों के बीच कहासुनी हुई। मोहनलाल चला गया और कुछ देर बाद तलवार लेकर लौटा। जयप्रकाश कुछ समझ पाता उससे पहले मोहनलाल ने सीने पर वार करना शुरू कर दिया। थाना प्रभारी के अनुसार फिलहाल मामले की जांच जारी है। तलवार बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

सिंहस्थ की तैयारी... होमगार्ड डीजी ने आपदा प्रबंधन टीमों से किया सीधा संवाद

कालिदास अकादमी में आयोजित कार्यक्रम में सिविल डिफेंस, आपदा मित्र, होमगार्ड और एसडीआरएफ के जवानों को दिए बेहतर समन्वय के मंत्र

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 को सुरक्षित और आपदा मुक्त बनाने की तैयारियों को लेकर सोमवार सुबह कालिदास अकादमी के सभागार में उच्च स्तरीय संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन की महानिदेशक श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने आपदा प्रबंधन टीमों से सीधा संवाद किया और उन्हें समन्वय के तरीके बताए।

कार्यक्रम में कलेक्टर भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान सिविल डिफेंस के वालंटियर्स, भारत सरकार की आपदा प्रबंधन योजना के तहत प्रशिक्षित आपदा मित्र, होमगार्ड के जवान और एसडीआरएफ के सैनिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। महानिदेशक श्रीमती श्रीवास्तव ने कहा कि सिंहस्थ दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जहां करोड़ों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे आयोजन में सुरक्षा और आपदा प्रबंधन की जिम्मेदारी बेहद महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा, आपदा मित्र और एसडीआरएफ की संयुक्त एवं समन्वित कार्यप्रणाली ही किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने जवानों और वालंटियर्स का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पूरी प्रतिबद्धता और अनुशासन के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की बात कही। कार्यक्रम में विभिन्न आपदा प्रबंधन इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत संवाद किया गया। उन्हें आधुनिक आपदा प्रबंधन तकनीकों, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, भीड़ नियंत्रण, राहत एवं बचाव कार्यों तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को लेकर जानकारियां दी। अधिकारियों ने भी सिंहस्थ की तैयारियों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने सुझाव साझा किए।

गरोठ पुलिया के नीचे युवक को 3 बदमाशो ने मेरे चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती रात गरोठ पुलिया के नीचे एक युवक पर कुछ बदमाशों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर हालत में युवक को चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रात 2 बजे से ही वह बेहोशी की हालत में है। होश आने पर उसके साथ हुई घटना स्पष्ट हो पाएगी। चिमनगंज थाना क्षेत्र के आगर नाके पर रहने वाला इमरान पिता अब्दुल कादर रात 1 बजे गरोठ पुलिया के नीचे से होता हुआ अपने घर लौट रहा था। उसी दौरान तीन अज्ञात बदमाशों ने उसे रोका और चाकू मार दिए। सात से आठ चाकू के गहरे घाव लगने से इमरान लहूलुहान हो गया। उसे लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। मामले की जानकारी लगते ही परिवार और पुलिस भी अस्पताल पहुंच गए थे। इमरान की हालत गंभीर बनी हुई थी और वह बेहोशी की हालत में था। आज सुबह भी उसे होश नहीं आया था। पुलिस के अनुसार हालत में सुधार होने और बयान दर्ज होने पर ही इमरान के साथ हुई घटना स्पष्ट हो पाएगी। वाइन शॉप के पास मारपीट-रात में गरोठ पुलिया के आगे वाइन शॉप पर भी विवाद का मामला सामने आया है। दालमिल चौराहा पर रहने वाले राज के साथ अज्ञात बदमाशों ने मारपीट की है। पुलिस बदमाशों का पता लगा रही है।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली गई।

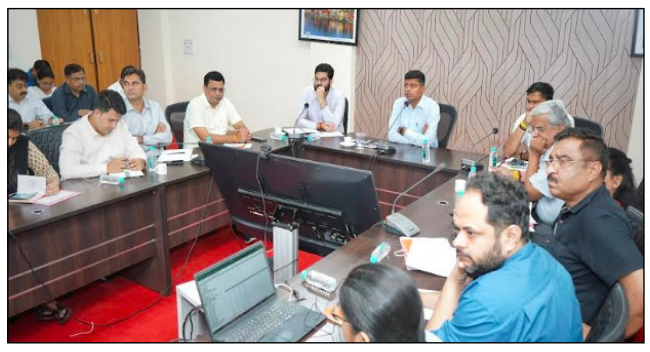

बैठक में सीएम हेल्प लाईन की 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि एक सप्ताह के अंदर सभी शिकायतों का निराकरण किया जाए। आपसी समन्वय के साथ सभी अधिकारी कार्य करें। बडनगर में नगरीय विकास विभाग से संबधित शिकायतों का निराकरण नहीं करने पर बडनगर सीएमओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री सिंह ने इस संबंध में सभी तहसीलों के एसडीएम और तहसीलदार को भी विशेष फोकस करने के निर्देश दिए।

अनुग्रह सहायता राशि के अंतर्गत प्राप्त प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग के अंतर्गत लंबित शिकायतों का समयसीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए। लोकसेवा ग्यारण्टी अधिनियम में प्राप्त शिकायतों का समयसीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए। समयसीमा में निराकरण नहीं होने पर प्रतिदिन के हिसाब से पैनल्टी लगाई जाएगी।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा जलगंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों को अनिवार्यतः पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन मंगलवार 30 जून को होना है, समापन कार्यक्रम राज्य स्तर, जिला स्तर और विकास खण्ड स्तर पर आयोजित किया जाएगा। पौधा रोपण एक पेड़ मां के नाम अभियान की समीक्षा के दौरान समस्त एसडीएम को इस पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए गए। वर्षा ऋतु के प्रारंभ होने पर सड़क के किनारे डिवाइडर एवं अन्य उचित स्थानों पर गड्ढे खोदकर पौधा रोपण करने के निर्देश दिए गए।

निर्माणाधीन मकान में मशीन के नीचे दबा मासूम बालक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। निर्माणाधीन मकान पर मजदूरी कर रहे परिवार का 8 वर्षीय बालक सोमवार दोपहर खेलते समय वजनी मशीन के नीचे दब गया उसे अस्पताल ले जाया गया लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि इंदिरा नगर में घनश्याम चेतनानी के मकान बन रहा है। जहाँ नलखेड़ा गुदरावत निवासी हेमराज मेनिया पत्नी और दो बच्चों के साथ मजदूरी के लिए आया हुआ था। दोपहर में पति-पत्नी काम कर रहे थे वहीं 3 साल की मासूम बेटी सो रही थी 8 साल का बेटा नैन्स दूसरी मंजिल पर खेल रहा था इस दौरान वहां रखी मिनी लिफ्ट मशीन अचानक पलटी खा गई 8 साल का मासूम दब गया उसकी चीख सुनकर परिवार पहुंचा और अन्य मजदूरों की मदद से मशीन को हटाया। मासूम नैन्स को निजी अस्पताल ले जाएगा जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस पहुंची और मर्ग कायम कर मासूम का पोस्टमार्टम कराया। नैन्स मेनिया पहली कक्षा में पढ़ता था। उसके माता-पिता बेटे को देख बेहोश हो गए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

जल संरक्षण के संस्कार को संजोता मध्यप्रदेश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जल गंगा संवर्धन अभियान

(19 मार्च से 30 जून 2026)

समापन समारोह

हर ग्राम पंचायत में विशेष ग्रामसभा | मुख्यमंत्री जी के संदेश का वाचन

उत्कृष्ट योगदान देने वालों का सम्मान | नई जल संरचनाओं का लोकार्पण

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

30 जून, 2026

भैंसवामाता, विकासखण्ड सारंगपुर, जिला राजगढ़

सरकार और समाज के परस्पर सहयोग की **मिसाल**

₹10,514 करोड़ लागत के जल संरक्षण एवं संवर्धन के 3.62 लाख कार्य पूर्ण

ग्रामीण क्षेत्र

- ₹1500 करोड़ की लागत से 66,483 खेत-तालाब बनकर तैयार
- 96,992 कूप रीचार्ज संरचनाओं का निर्माण, भू-जल संवर्धन को गति
- 216 अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य पूर्ण
- बूंद-बूंद का सुनिश्चित उपयोग, 14,882 सूक्ष्म सिंचाई क्षेत्रों का विस्तार
- ₹2253 करोड़ के 44,854 अन्य जल संरक्षण कार्य पूर्ण
- 800 से अधिक तालाबों के पाल एवं पिचिंग आदि की मरम्मत, सिंचाई की निर्बाध पहुंच
- 3,832 कि.मी. नहर प्रणालियों की सफाई एवं सिंचाई तंत्र को मजबूती
- 10,000 से अधिक कुएं, नदी एवं बावड़ियों की जनभागीदारी से सफाई

शहरी क्षेत्र

- 3100 से अधिक जल संरचनाएं हुईं अतिक्रमण मुक्त
- 9,400 से अधिक नालों की सफाई एवं सौंदर्यीकरण
- शासकीय एवं आवासीय भवनों में 35,500 से अधिक रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणालियां स्थापित

अन्य क्षेत्र

- WOW Application के माध्यम से सभी स्कूलों के जल भंडारण टंकियों की सफाई
- स्कूल एवं आंगनवाड़ी में 1.60 लाख+ पेयजल स्रोतों का परीक्षण
- 6,000 से अधिक पाइप लाइनों में लीकेज सुधार कार्य पूर्ण
- 854 औद्योगिक इकाइयों में स्थापित हुई रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणाली
- बेतवा, शिप्रा, कान्ह एवं अन्य प्रमुख नदियों के जल का गुणवत्ता परीक्षण एवं नालों का चिह्नांकन

वन क्षेत्र

- 1.30 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य पूर्ण

सीधा प्रसारण

@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP | JansamparkMP

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026 D11048/26

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी